संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 261
पृष्ठ 8
शुक्रवार
13 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- सुबह खाली पेट पानी पीने के दौरान...

विचार- महाकुंभ भगदड़ पर नए सवाल

खेल- एशिया कप 2025 से पहले पाक...

मेधावी छात्रों को सीएम योगी ने किया सम्मानित, कहा-

छात्र सार्वजनिक संपत्ति की रक्षा करें

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गुरुवार को विद्यार्थियों से सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा की जिम्मेदारी लेने का आग्रह करते हुए कहा कि ऐसी संपत्ति सामूहिक प्रयास का परिणाम है और किसी भी परिस्थिति में इसे नुकसान नहीं पहुंचाया जाना चाहिए। मेधावी छात्रों को सम्मानित करने और स्कूल खेल पुरस्कार वितरित करने के लिए एक राज्य स्तरीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''सार्वजनिक संपत्ति निजी संपत्ति नहीं है – यह पूरे समाज के योगदान से बनी है। अगर कोई इसे नुकसान पहुंचाता है तो वह देश को नुकसान पहुंचा रहा है। इस तरह के कृत्यों को रोका जाना चाहिए, सूचना दी जानी चाहिए और उजागर किया जाना चाहिए।'' सीएम आदित्यनाथ ने विद्यार्थियों से सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने वालों की रिकॉर्डिंग करने और सूचना देकर कार्रवाई करने का आह्वान किया।

उन्होंने कहा, ''आप सभी के पास मोबाइल फोन हैं। अगर आप किसी को सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाते देखें तो उसका वीडियो बनाएं और उसे वायरल करें। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि पोस्टर के जरिए उस व्यक्ति की पहचान की जाए और उससे वसूली की जाए।'' उन्होंने उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की नकल–मुक्त परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित करने के लिए प्रशंसा की और 2017 से राज्य की शिक्षा प्रणाली में बड़े सुधारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, ''पहले, शिक्षा के नाम पर सामूहिक नकल एक धंधा बन गया था। लोग परीक्षा फॉर्म भरते थे और परीक्षा देने के लिए किसी और को नियुक्त करते थे। परिणाम प्रमाणपत्र के साथ घर भेजे जाते थे। यह पूरी तरह से धोखाधड़ी थी।'' उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए आदित्यनाथ ने इस तरह की अवैध गतिविधियों को बंद करने और एक पारदर्शी, निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली बनाने के लिए खुद की सरकार को श्रेय दिया। उन्होंने बताया कि पहले जिन परीक्षाओं को आयोजित करने में दो से तीन माह लगते थे वे अब सिर्फ 13 दिन में समाप्त हो जाती हैं। उन्होंने छात्रों को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पुस्तक ''एग्जाम वॉरियर्स'' पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करते हुए कहा, ''परीक्षाएं छात्रों को परेशान करने का माध्यम नहीं होनी चाहिए, बल्कि उनका मूल्यांकन करने और उन्हें प्रतिस्पर्धी भावना के साथ जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार करने का माध्यम होना चाहिए।'' सरकारी रोजगार में राज्य की प्रगति की भी सराहना करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पारदर्शी भर्ती के माध्यम से आठ लाख से अधिक युवाओं को नौकरी दी गई है। उन्होंने कहा, ''हम अब बीमारू राज्य नहीं रहे। उत्तर प्रदेश नए भारत के नए चेहरे में तब्दील हो गया है।'' मुख्यमंत्री ने मूल्य आधारित शिक्षा का आह्वान करते हुए कहा, ''शिक्षा के साथ–साथ छात्रों में बड़ों, माता–पिता, शिक्षकों, समाज और राष्ट्र के प्रति सम्मान विकसित करना चाहिए। यही सच्चा चरित्र है।

कैबिनेट ने नए सिरे से जाति सर्वेक्षण कराने का किया फैसला

90 दिनों में पूरा करने का निर्णय लिया

बेंगलुरु, एजेंसी। बेंगलुरु में गुरुवार को हुई विशेष कैबिनेट बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व की इच्छा के अनुसार राज्य भर में एक नया सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण करने और इसे 90 दिनों में पूरा करने का निर्णय लिया गया। कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के कानून के अनुसार इस तरह के सर्वेक्षण के निष्कर्ष केवल 10 साल के लिए वैध हैं। कर्नाटक का सर्वेक्षण केंद्र की जाति जनगणना से किस तरह अलग होगा, इस सवाल पर सीएम ने कहा कि केंद्र ने यह नहीं कहा है कि वह सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण करेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार अपने चुनावी घोषणापत्र में पार्टी द्वारा किए गए वादे के अनुसार सामाजिक न्याय देने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार पूर्व महाधिवक्ता मधुसूदन नाइक की अध्यक्षता वाले कर्नाटक राज्य स्थायी पिछड़ा वर्ग आयोग से 90 दिनों में सर्वेक्षण रिपोर्ट देने को कहेगी। उन्होंने कहा कि तेलंगाना ने यह काम 70 दिनों में पूरा कर लिया। गुरुवार को मंत्रिमंडल की बैठक हुई, जब एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सिद्धारमैया से जातियों की फिर से गणना करने को कहा। यह कर्नाटक के प्रमुख समुदायों की शिकायतों का जवाब था कि सर्वेक्षण के लिए एकत्र किए गए डेटा में जाति की फिर से गणना की गई है। इससे पहले सिद्धारमैया ने बुधवार को कहा कि जाति जनगणना के आंकड़ों को फिर से दर्ज करने का फैसला पार्टी हाईकमान ने लिया है और यह राज्य सरकार का फैसला नहीं है। पत्रकारों से बात करते हुए मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि जाति जनगणना को लेकर कुछ शिकायतें मिली हैं।

पूर्व सीएम विजय रूपाणी भी थे प्लेन में सवार, अहमदाबाद से लंदन के लिए भरी थी उड़ान

अहमदाबाद, एजेंसी। गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी गुरुवार को अहमदाबाद हवाई अड्डे के पास दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान में सवार थे। उनके कार्यालय के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल बताए गए हैं। पत्रकारों से बात करते हुए विजय रूपाणी के पड़ोसियों ने उनके स्वास्थ्य के बारे में चिंता जताई। रूपाणी की पत्नी अंजलि रूपाणी के लंदन में होने की बात पता चली है और माना जा रहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री उन्हें वापस लाने के लिए ब्रिटेन जा रहे हैं। रूपाणी के स्वास्थ्य के बारे में अधिक जानकारी का इंतजार है। लंदन के गैटविक एयरपोर्ट के लिए उड़ान भरने वाले एयर इंडिया के विमान ।ा171 में कथित तौर पर 240 से अधिक लोग सवार थे, जिनमें कई क्रू मेंबर भी शामिल थे। अहमदाबाद में एयरपोर्ट के पास दुर्घटनास्थल से धुआं निकलता हुआ दिखाई दिया।

जून माह का सावित्री देवी स्मृति सम्मान शहर समता विचार मंच बिलासपुर इकाई की जिलाध्यक्ष श्रीमती संगीता बनाफर जी को दिया जाएगा

प्रयागराज। हर माह मिलने वाला सावित्री देवी स्मृति सम्मान मई 2025 का शहर समता महिला काव्यगोष्ठी बिलासपुर इकाई की जिलाध्यक्ष श्रीमती संगीता बनाफर जी को दिया जाएगा। रचनाकार संगीता बनाफर जी पर चार पेज का सावित्री देवी स्मृति सम्मान विशेषांक भी प्रकाशित होगा, जिसमें रचनाकार को 30–35 कविताएं, कहानी, अपना जीवनवृत्त और अपना आत्मसंघर्ष टाइप करके देना पड़ेगा। साथ में एक पोस्ट कार्ड साइज की फोटो भी।

एयर इंडिया का विमान अहमदाबाद हवाई अड्डे के निकट रिहायशी इलाके में दुर्घटनाग्रस्त

अहमदाबाद, एजेंसी। अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का एक ड्रीमलाइनर बोइंग 787–8 विमान गुरुवार को अपराह्न सरदार पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार उड़ान संख्या एआई 171 में 230 यात्री, दो पायलट और चालक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे, जिनके बचने की कोई उम्मीद नहीं है। इन यात्रियों में 169 भारतीय नागरिक, 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और एक कनाडाई नागरिक हैं। यात्रियों की सूची में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का नाम भी शामिल है। यह विमान एयरलाइंस के बेड़े में 2016 में शामिल किया गया था। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिये हैं। डीजीसीए के एक वक्तव्य में कहा गया है कि एयर इंडिया के विमान वीटी–एएनबी, ने अहमदाबाद से लंदन के गेटविक हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरी थी लेकिन तुरंत बाद ही यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान की कमान कैप्टन सुमित सभरवाल के पास थी और उनके साथ फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर थे। कैप्टन सुमित सभरवाल 8200 घंटों के अनुभव वाले पायलट हैं। सह–पायलट के पास 1100 घंटों का उड़ान अनुभव था। एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के अनुसार, विमान ने रनवे संख्या 23 से अपराह्न एक बजकर 39 मिनट पर उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद इसने एटीसी को 'मेडे' यानी गंभीरतम आपातस्थिति का संकेत दिया, लेकिन उसके बाद एटीसी द्वारा की गयी कॉल पर विमान से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी। इसके तुरंत बाद विमान हवाई अड्डे के निकट रिहायशी इलाके में गिर गया और दुर्घटना स्थल से काले धुयें के गुबार निकलने लगे। हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने बताया कि दुर्घटना के बाद हवाई अड्डे से सभी उड़ानों के आवागमन को अस्थायी तौर पर रोक दिया गया है। विमान के रनवे से उड़ान भरने के तुरंत बाद, पायलट ने अहमदाबाद के हवाई यातायात नियंत्रण कक्ष को गंभीरतम आपातस्थिति की सूचना दी और उसके बाद उससे संपर्क कट गया। विमान करीब सवा आठ सौ फुट की ऊंचाई पर जाने के बाद तेजी से नीचे आने लगा और हवाई अड्डे की परिधि के बाहर मेघानीनगर रिहायशी इलाके में एक अस्पताल के परिसर में गिरते ही उसमें आग लग गयी। कुछ अपुष्ट रिपोर्टों में बताया गया है कि अस्पताल परिसर के हॉस्टल के भवन में मौजूद करीब 15 डॉक्टर भी घायल हुये हैं। दुर्घटना के सभी विवरणों के समन्वय के लिये नागरिक उड्डयन मंत्रालय में एक परिचालन नियंत्रण कक्ष सक्रिय कर दिया गया है। इसका संपर्क नंबर 011–24610843 और 9650391859 है। एयर इंडिया ने भी जानकारी उपलब्ध कराने के लिये हॉटलाइन नंबर 18005691444 स्थापित किया है। नागर विमानन मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, "हम सभी प्रभावितों को त्वरित प्रतिक्रिया और पूर्ण सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।" प्राप्त जानकारी के अनुसार अग्निशमन की गाड़ियां और पुलिस के दस्ते घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य में लगे हैं। केन्द्र की ओर से राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीमें घटनास्थल पर भेजी गयी हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) और एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो (एएआईबी) की टीमें भी अहमदाबाद के लिए रवाना हो चुकीं हैं। एयर इंडिया के अध्यक्ष एन चंद्रशेखर ने कहा कि यात्रियों के परिजनों की मदद के लिए एयरलाइंस ने विशेष सूचना केन्द्र स्थापित कर दिये हैं। भारतीय रेलवे ने भी अहमदाबाद से मुंबई, दिल्ली और अन्य स्थानों के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की तैयारी शुरू कर दी है और जल्द ही इन विशेष ट्रेनों की घोषणा की जायेगी।

नारायणपुर जिले में तीन नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण, 19 लाख रुपये का था इनाम

नारायणपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में 19 लाख रुपये के इनामी तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है। पुलिस के अनुसार, यह घटनाक्रम 2 जून को राज्य के सुकमा जिले में 16 नक्सलियों के आत्मसमर्पण करने के कुछ सप्ताह बाद हुआ है। इनमें से छह नक्सलियों पर सामूहिक रूप से 25 लाख रुपये का इनाम था। इनमें से नौ नक्सली चिंतलानार पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत

केरलापेंडा ग्राम पंचायत के थे। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को पूर्व बस्तर डिवीजन में कंपनी नंबर छह में सक्रिय नक्सली भीमा उर्फ ढोलू उर्फ दिनेश पोड़ियाम (40) ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। उन्होंने बताया कि उस पर 10 लाख रुपये का इनाम घोषित है। उन्होंने बताया कि इससे पहले मंगलवार को जिले में दो महिला नक्सली सुकली कोर्राम उर्फ सपना और देवली मंडावी ने भी आत्मसमर्पण किया। अधिकारियों ने बताया कि सुकली पर आठ लाख तथा देवली पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित है। उन्होंने बताया कि अबूझमाड़ क्षेत्र और नारायणपुर जिले में लगातार किए जा रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर तथा नक्सली संगठन के भीतर बढ़ते आंतरिक मतभेद से परेशान होकर नक्सलियों ने आत्मसमर्पण का फैसला किया है। अधिकारियों ने बताया कि आत्मसमर्पण करने पर नक्सलियों को 50 हजार रुपये का चेक प्रदान किया गया है तथा उन्हें नक्सल उन्मूलन नीति के तहत मिलने वाली सुविधाएं दिलाई जाएंगी। उन्होंने बताया कि जिले में इस वर्ष कुल 104 नक्सलियों ने सुरक्षाबलों के सामने आत्मसमर्पण किया है।

राहुल गांधी का आरोप: कुंभ के दौरान भगदड़ में मरने वालों की संख्या छिपाई गई

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने उत्तर प्रदेश सरकार पर प्रयागराज में 29 जनवरी को महाकुंभ मेले में हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या को जानबूझकर कम बताने का आरोप लगाया।

उन्होंने बीबीसी न्यूज़ हिंदी की एक जांच का हवाला दिया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि घटना के दौरान कम से कम 82 लोगों की मौत हुई, जो आधिकारिक तौर पर बताए गए 37 लोगों की संख्या से कहीं ज़्यादा है।

रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि आर्थिक रूप से वंचित पीड़ितों की मौतों को आधिकारिक गणना से मिटा दिया

गया। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा कि बीबीसी की रिपोर्ट बताती है कि कुंभ मेले की भगदड़ में हुई मौतों के आंकड़े छुपाए गए। जैसे कोविद में गरीबों की लाशें आंकड़ों से मिटा दी गई थी। जैसे हर बड़े रेल हादसे के बाद सच्चाई दबा दी जाती है। यही तो ठश्रच मॉडल है – गरीबों की गिनती नहीं, तो ज़िम्मेदारी भी नहीं! समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भी यूपी सरकार पर ष्झूठे आंकड़ेष पेश करने का आरोप लगाया।

अहमदाबाद विमान हादसा दिल दहलाने वाला : मोदी

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अहमदाबाद में हुए विमान हादसे पर गहरा दुख जताया है और प्रभावित लोगों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है। श्री मोदी ने गुरुवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, "अहमदाबाद में हुई त्रासदी ने हमें स्तब्ध और दुखी कर दिया है। यह शब्दों से परे दिल दहला देने वाली घटना है। इस दुखद घड़ी में मेरी संवेदनाएं सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं। मैं मंत्रियों और अधिकारियों के संपर्क में हूँ जो प्रभावित लोगों की सहायता के लिए काम कर रहे हैं।" गौरतलब है कि एयर इंडिया का एक ड्रीमलाइनर बोइंग 787 विमान आज अपराह्न अहमदाबाद से लंदन के लिये उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

भारत की तकनीकी और डिजिटल प्रगति की पीएम मोदी ने की सराहना, युवाओं को दिया श्रेय

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को भारत की डिजिटल और तकनीकी प्रगति की सराहना करते हुए कहा कि देश नवाचार और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि डिजिटल प्रगति भी प्रौद्योगिकी क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में देश के प्रयासों को मजबूत कर रही है। अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पीएम मोदी ने डलळवअप्दकपं का एक पोस्ट साझा किया, जिसमें बताया गया है कि कैसे भारत दुनिया का अगला

प्रौद्योगिकी महाशक्ति बन सकता है और इस क्षेत्र में पिछले 11 वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा क्या कदम उठाए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ष्भारत के युवाओं की मदद से हम नवाचार और प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं। यह आत्मनिर्भर बनने और वैश्विक तकनीकी महाशक्ति बनने के हमारे प्रयासों को भी मजबूत कर रहा है।ष भारत ने यूपीआई लेनदेन की मात्रा में 2500 गुना वृद्धि दर्ज की है, आंकड़ों से पता चलता है कि यूपीआई लेनदेन जो अप्रैल 2017 में 0.93 करोड़ था, अप्रैल 2025 तक बढ़कर 1867.70 करोड़ हो गया। भारत डिजिटल भुगतान क्रांति का भी नेतृत्व कर रहा है, जिसमें सालाना 18,600 करोड़ रुपये के लेनदेन के साथ 260 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लेनदेन किया गया है। मोदी ने यह भी लिखा कि भारत के युवाओं की मदद से हम इनोवेशन और टेक्नोलॉजी के अनुप्रयोग में उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं।

गड्ढ़े में पलटी बारातियों की कार, दूल्हे के भाई सहित दो की मौत

प्रयागराज। मेजा क्षेत्र में बुधवार देर रात बारातियों की कार तेंदुआ गांव के समीप अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढ़े में पलट गई। हादसे में दूल्हे के भाई सहित दो लोगों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। गंभीर रूप घायल दो लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दुर्घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मचा रहा। मेजा के जेवनियां गांव से बुधवार रात बारात कोरांव गई थी। बारात लगने के बाद डीजे पर डांस के दौरान बारातियों की घराती पक्ष के कुछ लोगों से मारपीट हो गई। मारपीट में वर पक्ष के घायल एक युवक का इलाज कराने कार से दूल्हे का भाई व अन्य लोग मेजारोड स्थित अस्पताल जा रहे थे। रास्ते में कार अनियंत्रिय होकर सड़क किनारे गड्ढ़े में पलट गई। आसपास के ग्रामीणों ने कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला। हादसे में दूल्हे के भाई गोपाल विश्वकर्मा निवासी जेवनियां और उसके साथी कौशलेश निवासी कनिगड़ा की मौत हो गई। वहीं दो घायल अंजनी विश्वकर्मा और अर्पित को आननफानन अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने दोनों शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

प्रयागराज में यमुना बैंक पार्क का गेट गिरने से छात्रा की मौत

प्रयागराज। शहर के यमुना बैंक पार्क में बुधवार सुबह दो बहनों के साथ टहलने गई छात्रा अमान्या गुप्ता पर अचानक पार्क का गेट गिर गया। सिर पर गंभीर चोट लगने से अमान्या की मौत हो गई। हादसे की जानकारी होते ही परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका के पिता ने नगर निगम व ठेकेदार के खिलाफ कीडगंज थाने में तहरीर दी है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर देर शाम परिजनों को सौंप दिया। कीडगंज निवासी नगर निगम के रिटायर कर्मचारी उमेश चंद्र गुप्ता के एक बेटा व चार बेटियों में 17 वर्षीया अमान्या गुप्ता सबसे छोटी थी और 11वीं में

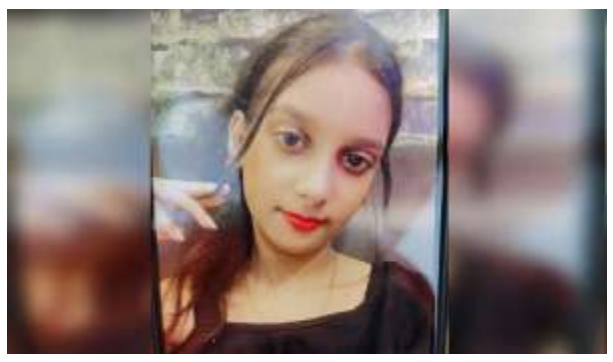

पढ़ती थी। अमान्या बुधवार सुबह लगभग सात बजे अपनी बहन नेहा और नीलम के साथ यमुना बैंक पार्क में टहलने गई थी। टहलने के बाद तीनों पार्क के मुख्य गेट पर पहुंची। जहां खोलते समय अचानक गेट अमान्या के ऊपर गिर गया। गेट के नीचे दबने और सिर पर गंभीर चोट लगने से आमन्या खून से लथपथ होकर बेहोश हो गई। आननफानन में उसे एसआरएन अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि मृतका के पिता उमेश चंद्र गुप्ता ने नगर निगम के अधिकारियों व ठेकेदार के खिलाफ लापरवाही का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है।

मामले की जांच कर विधिक कार्रवाई की जाएगी। उधर, महापौर उमेशचंद्र गणेश केसरवानी ने पार्क का गेट गिरने से हुई बालिका की मौत पर नगर आयुक्त को जांच कराने का निर्देश दिया है। इसमें जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए एसडीएम सदर से मुआवजा देने की बात कही है।

बच्चों को समझाया गया उत्खनन का सिद्धांत

प्रयागराज। इलाहाबाद संग्रहालय में चल रही सात दिवसीय पुरातात्विक उत्खनन पर आधारित कार्यशाला के अंतर्गत गुरुवार को बच्चों को प्रैक्टिकल कराकर उत्खनन के सामान्य सिद्धांत से अवगत कराया गया। कार्यशाला में हिस्सा ले रहे

20 बच्चों ने प्रतीकात्मक रूप से जमीन के अंदर लगभग 55 पुरावशेष बरामद कर उनका स्वास्थ्य सीट बनाया। इसके पहले कार्यशाला प्रशिक्षक डॉ. सुशील कुमार ने प्रतिभागियों को लम्बवत व क्षैतिज उत्खनन के बारे में जानकारी दी, उन्होंने बताया कि पुरातात्विक उत्खनन का सबसे बड़ा सिद्धांत यह है की कोई सामान्य सिद्धांत ही नहीं है। यह देश, काल, परिस्थिति व उत्खननकर्ता के विवेक पर निर्भर करता है।

नए कलेवर में देखिए यूपी बोर्ड की वेबसाइट

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद (यूपी बोर्ड) ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट को एक नए रूप में लॉन्च कर दिया है। अब यह वेबसाइट न सिर्फ दिखने में अधिक आकर्षक और उपयोगकर्ताओं के अनुकूल है, बल्कि छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों के लिए पहले से कहीं ज्यादा सुविधाजनक हो गई है। नए कलेवर में वेबसाइट को मोबाइल और टैबलेट जैसे सभी डिवाइसों के लिए अनुकूल बनाया गया है। इसमें छात्रों के लिए वार्षिक कैलेंडर, पाठ्यक्रम, मॉडल प्रश्नपत्र, रिजल्ट जैसी तमाम सुविधाएं आसानी से उपलब्ध कराई गई हैं। बोर्ड से जुड़े 29210 स्कूलों के कक्षा 9 से 12 तक के एक करोड़ से अधिक छात्र–छात्राएं

अब इस नई वेबसाइट के जरिए समय पर जरूरी सूचनाएं प्राप्त कर सकेंगे। वेबसाइट को नेविगेट करना पहले से कहीं आसान है और तकनीकी दिक्कतों को भी कम किया गया है।

गंगा-यमुना की नगरी में प्यास लगे तो पानी खरीदकर पीजिए

प्रयागराज। जिस शहर में गंगा–यमुना जैसी पवित्र नदियां बहती हों वहां राहगीरों को पानी के लिए परेशान होना पड़े और खरीद कर पानी पीना पड़े तो इससे बड़ी विडंबना क्या हो सकती है। गर्मी अब बीतने को है लेकिन शहर के लगभग सभी प्रमुख चौराहों, बस अड्डे व बाजारों में अब तक प्याऊ की व्यवस्था नहीं की गई है। सिविल लाइंस सरीखे अतिव्यस्त इलाके में जहां कई प्याऊ राहगीरों की प्यास बुझाते थे वहीं इस वर्ष चौराहों पर प्याऊ दिखाई नहीं दे रहे हैं। हनुमान मंदिर चौराहा, रोडवेज बस अड्डा, सुभाष चौराहा, पत्थर गिरजाघर, हाईकोर्ट चौराहा, वाल्मीकि चौराहा, नगर निगम चौराहा, महिला थाना के बाहर, एजी ऑफिस चौराहा, प्रधान डाकघर सहित इन सभी प्रमुख स्थान पर प्याऊ की व्यवस्था न होने से यहां काम से आने वाले लोग या तो पानी की बोतल लेकर आते हैं या फिर पानी खरीदकर पीते हैं।

गर्मी चरम पर है और शहर की सड़कों पर प्याऊ की व्यवस्था न होने से राहगीर परेशान हैं लेकिन नगर निगम को इसकी फिक्र नहीं है। शहर के किसी भी बाजार या सड़क पर चले जाइए अगर प्यास लगती है तो आपको पानी खरीदकर ही पीना पड़ रहा है। जो कीमत चुका सकते हैं वो तो पानी खरीद लेते हैं लेकिन जो नहीं चुका सकते वह दुकान या ठेलेवालों से मांगकर अपनी प्यास बुझाते हैं। शहर के कुछ इलाकों में प्याऊ की पड़ताल की गई तो पता चला पूरे सिविल लाइंस में कहीं प्याऊ नहीं है। मेडिकल चौराहे पर लोग बस एवं ऑटो के इंतजार में धूप में खड़े दिखे जो पानी के लिए परेशान थे। पूछने पर बताया कि जो पानी लेकर निकले थे वह तो खत्म हो गया। अब बोतल कहां भरें और पानी कहां मिले इसके लिए प्याऊ या नल तलाश रहे हैं। हनुमान मंदिर के पास भी कुछ ऐसा ही दृश्य देखने को मिला। तेज धूप में बिलबिला रहे लोग पानी न मिलने पर गन्ने के रस और जूस की दुकानों पर राहत तलाशते देखे गए। साफ तौर पर लोगों का कहना था कि प्रमुख स्थानों पर प्याऊ होते तो क्यों दूसरे विकल्प तलाशते। सिविल लाइंस बस अड्डे चौराहे पर प्रतापगढ़ से लौटे नैनी के प्रमोद प्रशासन की ओर से प्याऊ की व्यवस्था न किए जाने को लेकर काफी नाराज दिखे। उनका कहना था कि गर्मी में पानी तो सबसे बड़ी जरूरत है लेकिन जिम्मेदार आम लोगों की परेशानी से बेपरवाह बने हैं। प्याऊ होने के कारण ही बोतलबंद पानी का कारोबार बस अड्डे और उसके आसपास फल फूल रहा है। कमोवेश यही स्थिति सुभाष चौराहा, नवाब युसुफ रोड, पत्थर गिरजाघर, प्रधान डाकघर, एजी ऑफिस चौराहा, पानी की टंकी, हाईकोर्ट चौराहा आदि स्थानों पर देखने को मिला जहां कहीं प्याऊ नहीं नजर आया और लोग पानी के लिए परेशान दिखे। हैंडपंप होते तो मिलती राहत प्रमुख बाजारों एवं चौराहों के आसपास हैंडपंप की कमी भी लोगों को बेहद अखरती है। अगर पर्याप्त संख्या में हैंडपंप लगे होते तो लोगों को प्यास बुझाने को पानी मिल जाता लेकिन शहर की हालत यह है कि आप हैंडपंप तलाशते रह जाएंगे लेकिन नहीं मिलेगा। जहां हैंडपंप लगे भी थे वह रखरखाव के अभाव में दम तोड़ चुके हैं। न कहीं सार्वजनिक नल लगे हैं, न हैंडपंप है और न ही प्याऊ लगे हैं, ऐसे में दिनोंदिन बोतलबंद पानी का कारोबार बढ़ता जा रहा है। नगर निगम परिसर में भी नहीं है पानी की मुकम्मल व्यवस्था नगर निगम जिस पर पूरे शहर के विकास और देखभाल की जिम्मेदारी है उसके अपने कार्यालय में ही आने वालों के लिए पेयजल की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। परिसर में कहीं न तो पानी के घड़े रखे हैं और न ही कहीं वाटर कूलर दिखते हैं। पूरे परिसर में कार्यालय के पिछले भाग में एक नल दिखता

है जिससे गर्म पानी आता है। एक तो लोग जानकारी के अभाव में वहां तक नहीं पहुंच पाते, जो पहुंच भी जाते हैं तो नल से गर्म पानी आता देखकर मन मसोर कर लौट जाते हैं। लोगों का कहना है कि जहां निगम के आला अफसर बैठते हों वहां इस तरह की लापरवाही हो रही है तो बाकी शहर को कौन पूछने वाला है। निगम के मुख्य द्वार के पास तो कम से कम वाटर कूलर लगाना चाहिए था। अगर वाटर कूलर लगा होता तो लोगों को पानी के लिए दस तरह परेशान न होना पड़ता। नहीं बची चरही, जानवर भी घूम रहे प्यासे गर्मी में आम इंसान ही नहीं बल्कि जानवर भी पानी के लिए परेशान हैं। इंसान तो पानी मांगकर, खरीद कर या किसी प्रकार जुगाड़ कर लेता है लेकिन बेजुबान जानवरों के लिए पानी की व्यवस्था न होने के कारण वह प्यासे इधर उधर घूम रहे हैं। लोगों का कहना है कि पहले जगह जगह चरही हुआ करती थी जहां गाय, भैंस, घोड़े आदि जानवर अपनी प्यास बुझा लेते थे। पूर्व में नगर महापालिका आम लोगों के लिए प्याऊ और जनवरों के लिए चरही की व्यवस्था गर्मी आते ही कर देती थी लेकिन समय के साथ प्रयागराज स्मार्ट सिटी हो गया और जानवर ही नहीं आम आदमी की जरूरतें भी हाशिए पर चली गईं। स्वयंसेवी संस्थाओं ने भी खड़े कर लिए हाथ शहर में जहां स्थानीय प्रशासन जगह–जगह निरूशुल्क प्याऊ की व्यवस्था करता था वहीं तमाम स्वयंसेवी संस्थाएं भी बढ़–चढ़कर इसमें भागीदारी करती थी लेकिन अब संस्थाओं की भूमिका मात्र खास दिनों पर खास जगहों पर शरबत वितरण कार्यक्रम तक सिमट कर रह गई है। करीब एक दर्जन संस्थाएं जो प्याऊ लगाती थीं अब इसमें दिलचस्पी नहीं ले रही है। इस कारण पहले जो प्याऊ दिखते थे वह नहीं दिख रहे हैं।

जौनपुर से अभी आ रहे हैं, जो पानी साथ लेकर आए थे वह रास्ते में खत्म हो गया। बस अड्डे के आसपास पानी तलाशा लेकिन प्याऊ नहीं मिला। प्याऊ होता तो बीस रुपये का पानी न खरीदना पड़ता और प्यास बुझ जाती।–अमित कुमार लोग बस पकड़ने के लिए आते हैं जिन्हें दूर जाना होता है। बस अड्डे के आसपास पेयल की कोई व्यवस्था नहीं की गई है। पहले प्याऊ लगते थे लेकिन इस बार वह भी नहीं दिख रहे जिससे पानी खरीदकर पीना पड़ रहा है।–सुमित चौराहे के आसपास न तो प्याऊ लगाया गया है और न ही हैंडपम्प हैं। बिना कुछ खरीदे दुकानदार पानी भी नहीं छूने देते। मजबूरी में बोतल का पानी खरीद कर लोग पीते हैं। निरूशुल्क प्याऊ की व्यवस्था हो तो लोग पानी क्यों खरीदें।–उमेश चन्द्र गर्मी में चौराहों और प्रमुख स्थानों पर निरूशुल्क पानी की व्यवस्था न हो तो यह गंभीर बात है। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देना चाहिए था लेकिन इस गंभीर समस्या को नजर अंदाज कर दिया गया है जिससे लोग परेशान हैं।–विपिन प्रमुख चौराहों पर निरूशुल्क पानी की व्यवस्था करना स्थानीय प्रशासन का काम है। प्याऊ लगे होते तो लोगों को राहत मिलती। जिम्मेदारों की उदासीनता के कारण राहगीरों को गर्मी में पानी के लिए परेशान होना पड़ रहा है।–प्रकाश पहले हनुमान मंदिर चौराहे के दोनों तरफ प्याऊ लगते थे जहां लोगों को मटके का ठंडा पानी मिल जाता था लेकिन इस बार देख रहे हैं कि चौराहे पर कहीं प्याऊ ही नहीं लगाया गया है। कहीं सार्वजनिक नल भी नहीं लगा है।–अनिकेत सिंह लोग गर्मी में प्यास से परेशान रहते हैं और पानी तलाशते हैं। अगर चौराहों पर सार्वजनिक नल या प्याऊ हो तो लोगों को पानी के लिए इधर उधर न भटकना पड़े। कहीं पानी नहीं मिलता तो मजबूरी में लोग बोतल खरीद कर पीते हैं।–सुनील श्रीवास्तव इंसान ही नहीं जानवरों के लिए भी पानी का इंतजाम किया जाना चाहिए। पहले जगह–जगह प्याऊ लगा करते थे, जानवरों के लिए भी चरही होती थी लेकिन अब तो स्मार्ट सिटी है, यहां हर सुविधा की कीमत चुकाए बिना पानी भी नहीं मिलता।–सुगेश चौधरी पहले गर्मी आते ही स्वयंसेवी संस्थाएं चौराहों पर निरूशुल्क पानी की व्यवस्था करती थीं। नगर निगम और स्थानीय प्रशासन भी प्रमुख स्थानों पर प्याऊ लगवाते थे लेकिन अब प्याऊ न होने से बोतल का पानी खरीदना पड़ता है।–गुड्डू गर्मी आते ही पहले प्याऊ लग जाते थे, स्वयंसेवी संस्थाओं के लोग भी जगह–जगह पेयजल के घड़े रखते और दान करते थे, वहां गुड़ और पेठा भी राहगीरों को निरूशुल्क दिया जाता था लेकिन अब पानी खरीद कर काम चलाना पड़ता है।–विनीत लोगों को पानी के लिए भटकना पड़े तो व्यवस्था पर सवाल तो उठेंगे ही कि आखिर वह कर क्या रहे हैं। जिम्मेदारों की उदासीनता के कारण तमाम लोग परेशान हो रहे हैं। सभी जगह निःशुल्क पानी की व्यवस्था होनी चाहिए।–प्रकाश

घर से जो पानी लेकर

सिक्स लेन पुल बनने में अभी एक साल और लगेगा

प्रयागराज। गंगा पर बन रहे सिक्स लेन पुल को पूरा करने की समय सीमा एक बार फिर बढ़ा दी गई है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने पुल का निर्माण कर रही सिंगला कंपनी को जुलाई 2026 तक इसे पूरा करने की मोहलत दी है।

कंपनी को भले ही एक साल का समय दिया गया है लेकिन इसमें से भी चार महीने तक निर्माण कार्य ठप रहेगा। इसकी बड़ी वजह यह है कि गंगा में इस समय जलस्तर बढ़ रहा है और कंपनी ने बढ़ते जलस्तर को देखते हुए पंद्रह जून तक पुल पर चल रहे निर्माण कार्य को समेटना शुरू कर दिया जाएगा।

दोनों स्पैन रखने का कार्य अक्तूबर के बाद कराया जाएगा। जिसे पूरा करने में एक महीने का वक्त लगेगा। कंपनी के एमडी सुनील सिंगला ने बताया

कि गंगा पर 320–320 मीटर के दो स्पैन रखने का कार्य बचा हुआ है। इस समय एक स्पैन को रखने के लिए कार्य कराया जा रहा है। जलस्तर बढ़ने से काम बाधित हो रहा है। ऐसे में एक सप्ताह के भीतर काम बंद कर दिया जाएगा। नदी पर होने वाले कार्य को छोड़कर शेष कार्य चलता रहेगा।

एनटीपीसी से आधा दर्जन ट्रक राख तीन–चार दिनों में यहां पहुंच जाएगी। उसके बाद फाफामऊ से गंगा के किनारे तक बांध बनाने का कार्य शुरू कराया जाएगा। बता दें कि गंगा पर मलाक हरहर चौराहे से लाला लाजपत राय मार्ग तक 9.90 किमी लंबाई का पुल बनाया जा रहा है। जिसकी लागत 1948.25 करोड़ रुपये है। निर्माण कार्य फरवरी 2021 से शुरू हुआ था। जिसे पूरा करने का लक्ष्य फरवरी 2024 तक निर्धारित था, लेकिन कार्य में देरी पर कंपनी ने मोहलत मांगी थी। तब मंत्रालय ने फरवरी 2025 तक इसे पूरा करने की मोहलत दी थी।

सपा के दो नेता चुनाव की तैयारी परखने आए प्रयागराज

प्रयागराज। प्रदेश में 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारी परखने के लिए प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री रामआसरे विश्वकर्मा और समाजवादी पार्टी के प्रदेश सचिव गणेश यादव प्रयागराज आए। सपा के दोनों वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी के जार्जटाउन स्थित जिला कार्यालय में बुधवार को पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की। पार्टी महानगर कमेटी, सभी फ्रंटल संगठन व शहर की तीनों विधानसभा कमेटी के साथ वार्ता के दौरान दोनों नेताओं ने चुनाव की तैयारी के सिलसिले में जानकारी ली। पदाधिकारियों से पूछा कि एक साल में कितनी मासिक बैठक हुई। सपा के महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन ने चुनाव की तैयारी की पूरी रिपोर्ट पेश की। बैठक के बाद दोनों नेताओं ने टैगोरटाउन में पार्टी की ओर से ऑनलाइन बनाए जा रहे मतदाता की प्रक्रिया को जाना। बैठक में रवींद्र यादव रवि, पंधारी यादव, संदीप यादव, वज़ीर खान,ता रिक सईद अज्जू, राजेश गुप्ता, ओपी पाल, महेंद्र निषाद, मोईन हबीबी, मोहम्मद शारिक़, शकील अहमद, ओपी यादव, मोहम्मद अज़हर, हरीश चंद्र श्रीवास्तव, रमाकांत सिंह पटेल, शिवओम सिंह पटेल, मोहम्मद तहज़ीब, अब्दुल समद, सैय्यद मोहम्मद अस्करी, औन ज़ैदी, नन्हें मंसूरी, अंकिता श्रीवास्तव, सुधीर निषाद, रेहान अहमद, सैयद मोहम्मद हामिद, सऊद अहमद,अमित गुप्ता, मोहम्मद ज़ैद, पंकज साहू, प्रमोद यादव आदि उपस्थित थे।

जीवन के अर्थ के तलाश की दिलचस्प कहानी `बाजी

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र (एनसीजेडसीसी) के छह दिवसीय नाट्य समारोह का समापन बुधवार को वरिष्ठ रंगकर्मी प्रवीण शेखर के निर्देशन में मंचित नाटक 'बाजी के साथ हुआ। नाट्य प्रस्तुति का मुख्य विचार जीवन के मूल्य और धन के प्रति इंसान की लालसा को समझने के साथ आत्मिक विकास के बीच अंतर दिखाना रहा। प्रस्तुति में दिखाया गया कि असली ज्ञान संसार की इच्छाओं से ऊपर उठने में है। अविनाश चंद्र मिश्र लिखित यह नाटक एंटन चेखव की कहानी 'द बेट पर आधारित है। बाजी, जीवन की प्रकृति और मूल्य के बारे में एक शर्त है। अमीर पात्र गोयल, जो मानते हैं कि मृत्युदंड आजीवन कारावास से अधिक मानवीय और नैतिक है। जो अनुभव, सुख व रिश्ते ही जीवन को जीने लायक बनाते हैं। इसके विपरीत युवा वकील सक्सेना का तर्क है कि बिल्कुल नहीं से बेहतर है जीवित रहना और किसी भी तरह जीना अपने आप में मरने से बेहतर है। वकील के तर्क में यह निहित है कि यदि कोई शारीरिक रूप से जीवित है तो कोई भी उसकी परिस्थितियों की परवाह किए बिना जीवन को जीने लायक बना सकता है। दोनों तमाम तर्कों के बाद सहमत होते हैं कि अगर वकील दस साल के लिए कारावास सहन कर ले तो अमीर गोयल उसे एक बड़ी राशि देगा। गोयल की भूमिका में सतीश तिवारी व वकील के किरदार में अमर सिंह के अभिनय को दर्शकों की खूब सराहना मिली।

सेवानिवृत्त सेना के जवान को सटाया असलहा

प्रयागराज। धूमगनंज के गंगा विहार कॉलोनी निवासी सेवानिवृत्त सेना के जवान को नशे में धुत युवक ने असलहा सटाकर जान से मारने की धमकी दी। यहां तक कि आरोपी ने फोन कर पूरे परिवार को खत्म करने तक की धमकी दी। धूमनगंज थाने के पीआरवी में तैनात सिपाही कुलदीप मिश्र ने तहरीर देकर बताया कि उनका भाई पवन कुमार मिश्र आर्मी से सेवानिवृत्त हैं। दो दिन पहले मोहल्ले में घर के बाहर अमित मिश्रा नशे में धुत होकर पवन मिश्र से कहासुनी कर ली।

इसके बाद तमंचा सटाकर जान से मारने की धमकी दी है। किसी तरह आसपास के लोगों ने बीच बचाव किया। आरोप है कि अब फोन कर पूरे परिवार को खत्म करने की धमकी दे रहा है। थाना प्रभारी अमरनाथ राय ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश में जुटी है।

कांग्रेसियों ने संविधान बचाओ रैली निकाली

प्रयागराज। कांग्रेस के गंगापार जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में शहर पश्चिमी के मेड़वारा में संविधान बचाओ सम्मेलन एवं रैली निकालकर लोगों को जागरूक किया गया। इस दौरान सह कोऑर्डिनेटर राहुल त्रिपाठी ने कहा कि जब तक फ्रंटल संगठन मजबूत नहीं होगा तब तक कांग्रेस पार्टी मजबूत नहीं हो सकेगी। गंगापार के जिला अध्यक्ष अशफाक अहमद ने कहा कि कांग्रेस किसी कीमत पर देश में संविधान में परिवर्तन नहीं होने देगी। तस्लीमउद्दीन ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन अर्जुन सिंह ने किया। इस अवसर पर अफ्फान असहर, नफीस अहमद, देवराज उपाध्याय, शिवेंद्र पांडेय, विशाल पाठक, अजीत चौधरी, मो.फारूक, मो.सद्दाम, मो.नईम, गोविंद आदि मौजूद रहे।

अस्पताल खुले तब गंभीर मरीजों का होगा मुफ्त इलाज

प्रयागराज। अंदावा स्थित अपने निजी अस्पताल में मरीज को देख रहीं डॉ. पल्लवी सिंह अब डीएम के निर्देश पर एसआरएन अस्पताल के 50 गंभीर मरीजों का निरूशुल्क इलाज करेंगी। स्वास्थ्य विभाग की टीम के औचक निरीक्षण के दौरान के डॉ. पल्लवी के अस्पताल को सील कर दिया था। साथ ही डॉ. पल्लवी ने अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था। इस क्रम में मंगलवार को डॉ. पल्लवी ने डीएम से मिलने के लिए उनके कार्यालय गई थीं। उस दौरान डीएम ने सरकारी कामकाज में लापरवाही का दोषी पाते हुए डॉ.पल्लवी से अपने अस्पताल में एसआरएन के 50 गंभीर मरीजों के इलाज करने का निर्देश दिया था। डॉ. पल्लवी ने बताया कि अस्पताल को जब खोलने का आदेश दिया जाएगा तब डीएम के निर्देश का पालन किया जाएगा। डॉ. पल्लवी को सीएचसी में सिजेरियन प्रसव का जो लक्ष्य दिया गया था उसे उन्होंने नहीं पूरा किया था। इसलिए डीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए 50 गंभीर मरीजों का निरूशुल्क इलाज करने का निर्देश दिया।

आजाद पार्क में जिपलाइन पर करेंगे राइड, पहाड़ पर भी चढ़ेंगे

प्रयागराज। वो दिन दूर नहीं जब शहीद चंद्रशेखर आजाद की प्रतिमा के पास शहरवासी 40 फीट ऊंचाई पर जिपलाइन पर राइड करेंगे। जिपलाइन के पास ही पहाड़ पर चढ़ने का आनंद लेंगे। 'देखो प्रयागराज ट्रेल के तहत शहीद आजाद की प्रतिमा के आसपास का हिस्सा आकर्षक बनाने के लिए योजना तैयार हो गई है। इसका टेंडर भी निकाल दिया गया है। प्रतिमा के पास जिपलाइन 100 मीटर लंबी होगी। प्रतिमा के पास ही कृत्रिम पहाड़ भी बनाया जाएगा, जिसपर लोग ट्रैकिंग का आनंद ले सकेंगे। प्रतिमा के पास एक गैलरी बनाई जाएगी।

बाल हनुमान मंदिर बनकर तैयार

लखीमपुर खीरी। जिला विद्यालय निरीक्षक लखीमपुर के कार्यालय परिसर में विगत दो वर्षों से निर्माणाधीन रुद्रावतार बाल हनुमान मंदिर बनकर तैयार हो गया है । ज्येष्ठ मास के अंतिम बड़े मंगल के अवसर पर आयोजित प्राणप्रतिष्ठा अनुष्ठान में मुख्य अतिथि के रूप में पधारी जिलाधिकारी दुर्गा शक्ति नागपाल ने प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान यज्ञ में पूर्णाहुति देकर हनुमत सरकार की आरती की । जिस समय जिलाधिकारी महोदया ने माता अंजना की गोद में विराजमान बाल हनुमान की मूर्ति का अनावरण किया पूरा गगनमंडल हनुमान लला के जयकारों से गूंज गया।

मंदिर परिसर में ही देवघर वाले बाबा वैद्यनाथ की लिंग मूर्ति , गणपति तथा शनिदेव की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। प्राणप्रतिष्ठा के पश्चात जिलाधिकारी ने इस अवसर पर आयोजित प्रसाद भंडारे का भी शुभारंभ किया। विदित हो कि जिला विद्यालय निरीक्षक डा महेन्द्र प्रताप सिंह ने अथक प्रयास करके जनपद के दानवीरों से सहयोग प्राप्त कर इस भव्य मंदिर का निर्माण कराया। माता अंजना की गोद में विराजमान बाल हनुमान की प्रतिमा

विशेष ऑर्डर पर राजस्थान के अलवर शहर में बनवाई गई। जिला विद्यालय निरीक्षक डा महेन्द्र प्रताप सिंह ने लखीमपुर आने के पश्चात से ही विकास यात्रा प्रारंभ कर दी थी । उन्होंने जहां पूरे कार्यालय का कायाकल्प किया वहीं कार्यालय परिसर में एक शहीद उद्यान की स्थापना की तथा महान शिक्षक पूर्व राष्ट्रपति डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की प्रतिमा भी स्थापित की।

डा महेन्द्र प्रताप सिंह ने इसी दिशा में आगे बढ़कर परिसर में जीर्ण शीर्ण अवस्था में पड़े एक पुराने मंदिर को नया रूप देते हुए पूरा एक धाम स्थापित किया जिसको अब ‘आंजन धाम’ के नाम से जाना जाता है। प्राणप्रतिष्ठा के अनुष्ठान में जिला विद्यालय निरीक्षक डा महेन्द्र प्रताप सिंह सपत्नीक मुख्य यजमान की भूमिका में रहे। इस अवसर पर आयोजित भंडारे के व्यवस्था कार्यालय के कनिष्ठ सहायक अभय अग्निहोत्री द्वारा सभी का सहयोग प्राप्त कर की गई। जिला विद्यालय निरीक्षक डा महेन्द्र प्रताप सिंह की माताश्री ने स्वयं भक्तों को प्रसाद का वितरण किया। आंजनधाम मंदिर समिति के प्रबंधक राममूर्ति ने बताया कि ये मंदिर अदभुत है इस प्रकार की हनुमान प्रतिमा पूरे प्रदेश में अन्यत्र नहीं है। उन्होंने बताया कि बाबा वैद्यनाथ की प्रतिमा भी झारखंड के देवघर से मंगवा कर स्थापित की गई है जहां पर द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक बाबा वैद्यनाथ विराजमान हैं। कार्यक्रम को मूर्त रूप देने में अश्विनी वर्मा, उमाकांत मिश्र,अशोक सिंह, राजेश, सुरेन्द्र भारती, आशीष वर्मा, विजय कुमार, अभय अग्निहोत्री, प्रेमचंद, मनोज कुमार, मनोज प्रजापति, मनोज लेखाकार, मनोज पाण्डेय, मुकेश बाबू, मोहम्मद इरफान तथा तौसीफ अहमद का योगदान रहा। छायांकन विनय के द्वारा किया गया।

तपती धूप में धरने पर बैठे टेट पास शिक्षामित्रों ने मुख्यमंत्री योगी से लगाई मार्मिक गुहार

टेट पास शिक्षामित्र 27 मई से ईको गार्डन में कर रहे हैं शांतिपूर्ण धरना–प्रदर्शन

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी के धरना स्थल ईको गार्डन में टेट पास शिक्षामित्रों का धरना प्रदर्शन गुरुवार को 17वें दिन भी जारी रहा। टेट उत्तीर्ण शिक्षामित्रों के संगठन शिक्षक ६ शिक्षामित्र उत्थान समिति उत्तर प्रदेश के नेतृत्व में 27 मई से लगातार इको गार्डन में टेट उत्तीर्ण शिक्षामित्रों के द्वारा अपनी मांगों को लेकर शांति पूर्ण धरना प्रदर्शन कार्यक्रम किया जा रहा है। शिक्षक / शिक्षामित्र उत्थान समिति उप्र द्वारा अनेकों बार सरकार के समक्ष शिक्षामित्रों की समस्याओं को उठाया गया है। परंतु कोई निराकरण नहीं हुआ है। वर्तमान में लगभग 146000 शिक्षा मित्र हैं इनमें से लगभग 50000 शिक्षामित्र टीईटीध्सीटीईटी उत्तीर्ण है जो कि एनसीटीई के शिक्षक बनने की योग्यता के मानकों को पूरा करते हैं। प्रदेश अध्यक्ष गुड्डू सिंह ने बताया निम्नलिखित मांगें पूरी न होने तक शांति पूर्ण धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश एवं अन्य राज्यों की भांति उत्तर प्रदेश में भी पूर्ण योग्यता रखने वाले एनसीटीई के शिक्षक बनने के मानकों को पूरा करने वाले लगभग 50000 प्रशिक्षित शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण शिक्षा मित्रों को उनके दीर्घकालीन 25 वर्षों के कार्यानुभव को भी दृष्टिगत रखते हुए स्थाईकरण की व्यवस्था की जाए। नॉन टेट शिक्षामित्र को उनकी योग्यता को विभाग द्वारा पूर्ण कराते हुए स्थाईकरण की व्यवस्था प्रदान की जाए। उपरोक्त मांगों के पूर्ण होने तक तत्काल में सभी शिक्षामित्र को वर्तमान महंगाई को देखते हुए तथा शिक्षक गरिमा का मान रखते हुए उचित मानदेय 12 माह का दिया जाए तथा शिक्षकों के समान चिकित्सकीय अवकाश, 14 सीएल, एवं अन्य अवकाश प्रदान किए जाएं। महिला शिक्षा मित्रों के अन्तर्जनपदीय स्थानांतरण / शिक्षा मित्रों के समायोजन के जारी शासनादेश पत्रांक–गु०वि०/ शि०मि० शासनादेश प्रस्ताव/6639/2024–25 दिनांक 14 अक्टूबर, 2024 का कार्यक्रम शिड्यूल शीघ्र जारी किया जाये।

लखनऊ में खुला ज्यूसी कुट्योर का पहला एक्सक्लूसिव स्टोर

लखनऊ, संवाददाता। लॉस एंजेलेस की मशहूर ग्लोबल फैशन ब्रांड ज्यूसी कुट्योर ने भारत में अपने पहले एक्सक्लूसिव ब्रांड स्टोर की शुरुआत लखनऊ से की है। फीनिक्स पलासियो मॉल में खुले इस स्टोर में फैशनप्रेमियों को ब्रांड की पहचान माने जाने वाले ग्लैमरस और बोल्ड स्टाइल का पूरा अनुभव मिलेगा। ब्रांड का यह स्टोर खासतौर पर फैशन फॉरवर्ड उपभोक्ता के लिए तैयार किया गया है। यहां वेलोर सूट्स, लिंजरी, हैंडबैग्स, हेयर एक्सेसरीज, लगेज और अन्य लाइफस्टाइल प्रोडक्ट्स की रेंज उपलब्ध है। स्टोर लॉन्च के मौके पर वाइन और चीज इवेंट और एक फैशन शो का आयोजन हुआ, जिसमें शहर के फैशन इंफ्लुएंसर, सोशल मीडिया सितारे और लोकल सेलेब्रिटीज शामिल हुए। ब्रांड कॉन्सेप्ट्स लिमिटेड के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर नबेंदु चक्रवर्ती ने कहाकृ "ज्यूसी कुट्योर को भारत की रॉयल तहजीब वाले शहर लखनऊ में लाना हमारे लिए गर्व का विषय है। यह लॉन्च हमारी रणनीतिक योजना का हिस्सा है, जिसके तहत हम अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स को भारतीय ग्राहकों तक पहुंचा रहे हैं।"यह लॉन्च ज्यूसी कुट्योर के भारत में चित्रांगदा सिंह और अलाना पांडे जैसी हस्तियों के साथ पहले के प्रसिद्ध सहयोगों के साथ–साथ हाउसफुल 5 शोकेस के बाद हुआ है, जो भारतीय दर्शकों के बीच ब्रांड की प्रीमियम और ग्लैमरस अपील को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे थे।

सद्गुरु डॉ.उमर अली शाह द्वारा मोदी के फिटनेस मंत्र का समर्थन : योग शक्ति साधना समिति

पिठापुरम। 11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 के अवसर पर योग शक्ति साधना समिति 21 दिनों तक मोदी के फिटनेस मंत्र पर जागरूकता सम्मेलन आयोजित कर रही है।

आज इस सम्मेलन का उद्घाटन चित्राडा मुख्य आश्रम, आधुनिक मानवता मंदिर में श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने किया। उन्होंने कहा कि मोदी का फिटनेस मंत्र सम्मेलन में आए भक्तों के लिए बहुत उपयोगी है। उन्होंने उनसे डॉ. मकला सत्यनारायण के माध्यम से विस्तार से जानने और इसका पूरा अभ्यास करने, अपने आस–पास के समाज को जागरूक करने और स्वास्थ्य समस्याओं से खुद को बचाने का आग्रह किया। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे शरीर में आंतरिक अंगों के नियमित कामकाज से स्वास्थ्य में सुधार होता है, जो पांच तत्वों से बना है। योग शक्ति साधना समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मकला सत्यनारायण ने कहा कि मोदी के फिटनेस

मंत्रों के पांच तत्व ये हैं कि एक तो हाथ की छड़ी विधि का उपयोग करने से प्राण ऊर्जा पुनः सक्रिय होती है और अंगों की कार्यप्रणाली संतुलित होती है। प्राण ऊर्जा बढ़ती है और इससे बीमारियां कम होती हैं। दूसरा यह कि नंगे पैर टहलने करने से आंखों के दबाव बिंदु उत्तेजित होते हैं और बीमार होने की संभावना काफी कम हो जाती है। तीसरा यह कि कानों की मालिश करने से स्वास्थ्य बेहतर होता है। यह बहुत आसान विधि है और इसके लिए किसी उपकरण की आवश्यकता नहीं होती। चौथा यह कि ध्यान के माध्यम से शक्ति का अभ्यास करना बहुत आसान है। नमस्कार मुद्रा में ओंकार प्राणायाम करने से प्राण ऊर्जा बढ़ती है, फेफड़ों की क्षमता बढ़ती है, सांसों की संख्या कम होती है और आयु बढ़ती है।

इस कार्यक्रम में पीठ के संयोजक पेरुरी सुरीबाबू, पीठ प्रबंधक एटीएस सत्यनारायण, वंगरा रेणुका देवी, वंगरा अंबिका देवी समेत सेवा कार्यक्रम में सैकड़ों भक्तों ने भाग लिया और अभ्यास किया और अपने सहयोगियों को आश्वासन दिया कि वे मोदी के आदर्शों को लोगों तक ले जाने के लिए काम करेंगे। कार्यक्रम के बाद पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने योग शक्ति साधना समिति के संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मकला सत्यनारायण को सम्मानित किया।

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की ग्रीष्मकालीन गायन कार्यशाला प्रारम्भ

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के संगीत एवं प्रदर्शन कला विभाग के स्वरांगन प्रेक्षागृह में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ (संस्कृत विभाग उत्तर– प्रदेश) एवं संगीत एवं प्रदर्शन कला विभाग के संयुक्त तत्वावधान में10 दिवसीय ग्रीष्मकालीन गायन कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। यह कार्यशाला न केवल गायन का अभ्यास करने हेतु अपितु भारतीय शास्त्रीय परंपरा को आत्मसात करने के साथ ही इस कार्यशाला का उद्देश्य प्रतिभागियों को संगीत कला के विभिन्न रूपों से परिचित कराना और उनके भीतर आत्मविश्वास एवं रचनात्मक को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है। इस कार्यशाला में संगीत गायन के विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण संगीत एवं प्रदर्शन कला विभाग की असिस्टेंट प्रोफेसर एवं उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की सदस्य डॉ ज्योति मिश्रा द्वारा प्रदान किया जाएगा।

इस कार्यशाला का शुभारंभ दीपप्रज्वलन एवं मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण से

प्रारंभ किया गया तत्पश्चात सम्मानित गणमान्य अतिथियों का भी स्वागत एवं सम्मान पुष्प गुच्छ और अंग वस्त्र देकर किया गया। इस कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के अध्यक्ष प्रोफेसर जयंत खोत, विशिष्ट अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के निदेशक डॉ शोभित कुमार नाहर एवं संगीत एवं प्रदर्शन कला विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर पं प्रेम कुमार मलिक उपस्थित रहे। संगीत विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुरेंद्र कुमार जी के द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। इस सुअवसर पर राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य विख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, संस्कार भारती के सुशील राय, डॉ विनोद मिश्र, अनूप बनर्जी सहित कई गणमान्य मौजूद रहे तथा विभाग के लगभग 50 शोधार्थी, विद्यार्थी प्रतिभागी बने । कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉ आकांक्षा पाल के द्वारा किया गया। आज कार्यशाला में डॉ ज्योति मिश्रा द्वारा राग माला,चतुरंग का प्रशिक्षण शिक्षार्थियों को दिया गया।

योगीराज में स्कूली छात्राएं नहीं है सुरक्षित: दबंगों के हौसले बुलंद

मुजफ्फरनगर। मामला छप्पर थाना क्षेत्र के एक गांव की नाबालिक लड़की जो जनपद के एक प्रतिष्ठ डिग्री कॉलेज में पढ़ने आती है जिसे पिछले काफी समय से गांव का ही एक दबंग व शरारती व्यक्ति द्वारा छेड़छाड़

व अश्लील हरकतें कर परेशान करता रहता था एक दिन अपने साथी के साथ पीड़ित लड़की को कुछ नशीला पदार्थ सुघांकर अपहरण कर अज्ञात जगह ले गया दबंग व्यक्ति द्वारा लड़की के चेहरे पर पानी गेर कर उठाया गया। लड़की जब होश में आई तो उसने अपने आप को एक बंद कमरे में पाया जहां दबंगों द्वारा लड़की के साथ गैंगरेप किया गया और लड़की को डराते धमकाते हुए कहा कि अगर तुमने यह बात घर जाकर किसी को बताई तो तेरे छोटे भाई या तेरे बाप की हत्या कर दी जाएगी उन्हें फिर लड़की को बेहोश कर अंबाला जाने वाली ट्रेन में बिठा दिया गया इसके बाद अंबाला की हिम्मत नहीं जुटा पाई फिर कुछ समय से लड़की को पुणेरूआते जाते निशांत द्वारा टॉर्चर किया गया इसके पश्चात लड़की काफी डिप्रेशन में चली गई काफी समय बीमार रहने के पश्चात मां–बाप के द्वारा पूछे जाने पर लड़की द्वारा बताया गया कि गांव के ही निशांत पाल उर्फ़ नरसीत पुत्र गौतम पाल द्वारा उसे रोज प्रताड़ित किया जाता है लगभग 2 महीने पहले निशांत पाल ने अपने साथी के साथ मिलकर मेरा अपहरण कर मेरा बलात्कार किया था यह घटना सुनने के पश्चात परिवारजनों के होश उड़ गए उन्होंने गांव के कुछ मोजिज व्यक्तियों द्वारा चर्चा कर निशांत के परिवार जनों को बुलाकर बात कर ही रहे थे कि निशांत ने पहले से ही बुला रखे कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा सभी जिम्मेदार व्यक्तियों व पीड़ित परिवार जनों पर लाठी डंडों व धारों धार हथियारों से हमला कर दिया छपार थाने में कोई सुनवाई न होने के पश्चात आज पीड़ित परिवार एस एसपी महोदय से मिलकर अपनी पीड़ा सुनाएं। कप्तान साहब ने पीड़ित की बातों को गंभीरता से लेते हुए संबंधित थाने को तुरंत कार्रवाई करने के आदेश दिए।

सई नदी में दो किशोरों की डूबने से मौत, लखनऊ में मिला शव

लखनऊ, संवाददाता। मोहनलालगंज इलाके में सई नदी में 2 किशोरों की डूबने से मौत हो गई। उनकी पहचान 15 वर्षीय रौनक और शिवा के रूप में हुई। दोनों उन्नाव जिले के असोहा थाना क्षेत्र के जबरेला गांव के रहने वाले थे। बुधवार को दोनों नहाने के दौरान नदी में डूब गए थे। परिजन उनकी तलाश कर रहे थे। गुरुवार सुबह मोहनलालगंज इलाके के ललूमर गांव के पास उनका शव मिला। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जबरेला निवासी गोविंद प्रसाद लोधी के बेटे रौनक और अयोध्या प्रसाद उर्फ लाला साहू बेटे शिवा में अच्छी दोस्ती थी। दोनों अकसर साथ में रहते थे। बुधवार को दोनों अचानक गायब हो गए। दोनों के परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। गुरुवार सुबह ललूमर गांव के पास लोगों ने नदी में दो शव उतराता देखा। लोगों ने इसकी सूचना मोहनलालगंज थाना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को बाहर निकाला। कपड़ों से उनकी पहचान शिवा और रौनक के रूप में हुई। लखनऊ का ललूमर गांव उन्नाव की सीमा पर है। यहां सई नदी का एक छोर लखनऊ और दूसरा उन्नाव जिले में पड़ता है। दोनों किशोरों का शव ललूमर गांव के पास मिला है। ललूमर गांव उन्नाव के जबरेला से करीब 1 किलोमीटर दूर है। पुलिस की जांच में आया है कि बुधवार को दोनों किशोर जबरेला गांव के पास नदी में नहा रहे थे। नहाते समय गहरे पानी में जाने से दोनों डूब गए। शव बहकर ललूमर पहुंच गया। शव लखनऊ क्षेत्र में बरामद होने के कारण पोस्टमॉर्टम यहीं पर होगा।

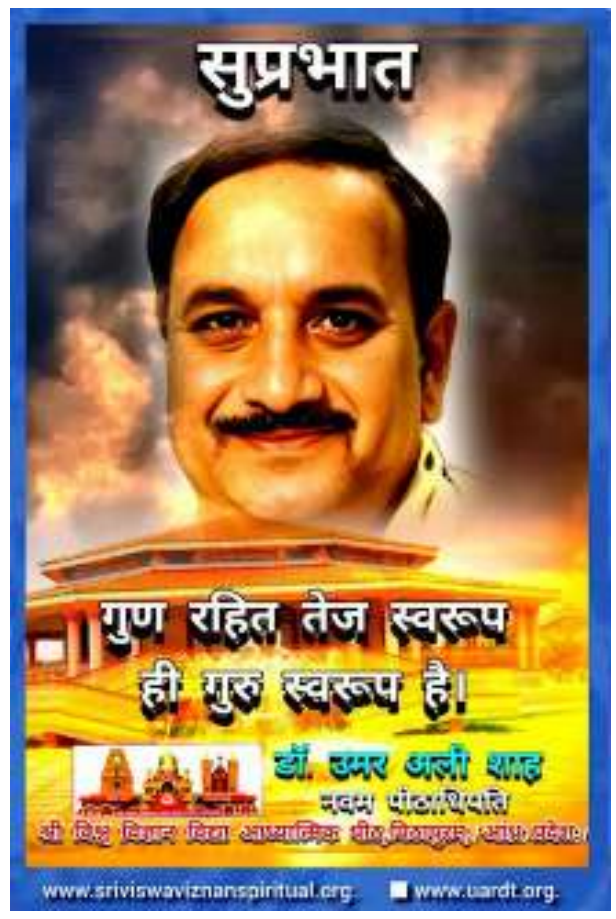

कर्नाटक का रसपुरी आम

(कुण्डलिया)

कोमल गूदा साथ में, थोड़े रेशेदार।
कर्नाटक का रसपुरी,लाता आम बहार।
लाता आम बहार, भरे अंतस रस–गंगा।
दिल में भरे मिठास, न करता कोई पंगा।
सुन लो कहें प्रदीप, आम यह सोनल सोनल।
खाने में स्वादिष्टऔर है कोमल कोमल।।

रानी है यह आम की, सुभग रसपुरी नाम।
मीठेपन का व्याकरण, सबको लगे ललाम।
सबको लगे ललाम, हर्ष मैसूर मनाता।
कर्नाटक के साथ, मुल्क में सबको भाता।
सुन लो कहें प्रदीप, न कहना इसे सयानी।
करते आम प्रणाम, इसे कहकर महरानी।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्राइवेट शिक्षक के आकस्मिक निधन के बाद उसके परिवार की सहायता करें सरकार: डॉ. कुलदीप मलिक

मुजफ्फरनगर। शिक्षक नेता डॉ. कुलदीप मलिक ने सरकार से मांग की है कि किसी भी प्राइवेट शिक्षक के आकस्मिक निधन के बाद सरकार उसके परिवार की सरकार मदद करें। डॉ. मालिक ने यह मांग आज मु.नगर में प्राइवेट शिक्षक हरीयोग वीर(सुधीर कुमार) की रस्म तेरहवीं पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद की।

स्वर्गीय हरीयोग वीर(सुधीर कुमार) जी मु.नगर जिले के कई निजी शैक्षणिक संस्थान में प्राइवेट प्रधानाचार्य के रूप में अपनी सेवाएं दी अचानक 6 जून प्रभु के को प्यार हो गए।

डॉ. मलिक के अनुसार आज 80 प्रतिशत शिक्षक प्राइवेट क्षेत्र में काम कर रहा है और अगर किसी प्राइवेट शिक्षक का आकस्मिक निधन हो जाता है तो फिर उसके परिवार पर हर तरीके से मुसीबत का पहाड़ टूट जाता है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अगर सरकार जीते जी प्राइवेट शिक्षक का कुछ भी भला नहीं कर पाती तो कम से कम शिक्षक के जाने के बाद उसके परिवार को कुछ मदद तो कर ही सकती है।

डॉ. मलिक ने सरकार पर भेदभाव का आरोप लगाते हुए बताया कि एक तरफ अगर सरकारी क्षेत्र में काम करने वाले किसी शिक्षक का आकस्मिक निधन हो जाता है तो उसके परिवार से एक आश्रित को नौकरी सहित दूसरी आर्थिक मदद एवं पेंशन जैसी सुविधा देती है जिससे परिवार को जीने का एक सहारा मिलता है वहीं दूसरी तरफ अगर किसी प्राइवेट क्षेत्र में काम करने वाले शिक्षक का आकस्मिक निधन हो जाए तो फिर उसकी मदद के लिए न तो सरकार आगे आती और न हीं वह संस्था जिसके लिए वह काम कर रहा था। इन हालातो में प्राइवेट शिक्षक के चले जाने के बाद उसके परिवार पर मुसीबत का पहाड़ टूट जाता है और परिवार दर–दर की ठोकर खाने पर विवश हो जाता है।

कुछ माह पूर्व मु.नगर के आदर्श इंटर कॉलेज में कार्यरत स्वर्गीय संजय कश्यप का उदाहरण देते हुए उन्होंने बताया कि आज उनके परिवार की खबर लेने वाला कोई नहीं है और ऐसे न जाने कितने स्वर्गीय प्राइवेट शिक्षकों के परिवार है जो गंभीर आर्थिक हालातों से जूझ रहे हैं। डॉ. मलिक ने शिक्षा क्षेत्र में काम करने वाले सभी संगठनों को इस संबंध में अपनी आवाज बुलंद करने का भी निवेदन किया।

सम्पादकीय.....

पर्यावरण अनुकूल पर्यटन

इसमें दो राय नहीं कि देश के पहाड़ी राज्यों के लिये पर्यटन उद्योग अब अर्थव्यवस्था को गति देने का एक सशक्त माध्यम बन गया है। कह सकते हैं तमाम पारिस्थितिकीय चुनौतियों के चलते एक मजबूरी भी बन गया है। लेकिन इसमें दो राय नहीं है कि राजस्व सृजन और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन बनाने के लिये, राज्य सरकारें एक कठिन राह पर चलना सीख रही हैं। दरअसल, पर्यावरण के प्रति संवेदनशील और संरक्षित क्षेत्रों में यह चुनौती ज्यादा बड़ी है। यही वजह है कि हिमाचल प्रदेश के संवेदनशील स्पीति के इलाके में प्रदेश के वन विभाग ने आने वाले पर्यटकों के लिए दैनिक आधार पर उपयोगकर्ता शुल्क आरंभ करने का निर्णय किया है। निश्चित रूप से हिमाचल सरकार की इस अभिनव पहल का स्वागत ही किया जाना चाहिए। निस्संदेह, इस फैसले के बाद अब बिना किसी प्रवेश शुल्क के इन इलाकों में पहुंचना अतीत की बात हो जाएगी। इतना ही नहीं शूटिंग के लिये, मसलन वृत्तचित्र, फीचर फिल्मों व विज्ञापन आदि के साथ ही टेंट लगाने जैसी गतिविधियों के लिये भी शुल्क संरचना तैयार की गई है। यह एक हकीकत है कि पर्यटकों का अराजक व्यवहार वातावरण में न केवल पर्यावरणीय प्रदूषण फैलाता है बल्कि ठोस कचरा भी छोड़कर जाता है। जिसकी क्षति व सफाई का दबाव राज्य पर पड़ता है। निस्संदेह, सरकार की नई पहल का उद्देश्य आदिवासी जिले लाहौल और स्पीति में पर्यटन के कार्बन फुटप्रिंट को कम करना है। इसके अलावा हिमाचल उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में आगंतुकों के लिये सुविधाओं का विस्तार करना भी है। दरअसल, राज्य सरकार सीमावर्ती इलाकों में पर्यटन को बढ़ावा दे रही है और प्रोटोकॉल में संशोधन करके यात्रियों की पहुंच को आसान बना रही है। ऐसी ही एक पहल मंगलवार को किन्नौर जिले के शिपकी–ला में मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू ने शुरू की। दरअसल, इन क्षेत्रों के सामरिक महत्व को देखते हुए राज्य के अधिकारी सेना और भारत–तिब्बत सीमा पुलिस के साथ समन्वय बनाकर काम कर रहे हैं। निश्चित रूप से हिमाचल प्रदेश सरकार की यह पहल स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिये, खासकर दूरदराज के गांवों के लिये अच्छा संकेत है। जब ग्रामीणों का जन–जीवन बाहर से आने वाले पर्यटकों की गतिविधियों से प्रभावित होता है तो उन्हें पर्यटन से होने वाले लाभ भी मिलने चाहिए। वहीं पर्यटकों की सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। पहलगाम आतंकी हमले ने हमें कई सबक दिए हैं। सबक याद दिलाए हैं कि यदि पर्यटकों की सुरक्षा दांव पर हो तो लापरवाही व चूक के लिये कोई जगह नहीं हो सकती। कश्मीर का हालिया अनुभव बताता है कि जब पर्यटक असुरक्षित महसूस करते हैं तो पर्यटन उद्योग को उसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। यही वजह है कि जम्मू–कश्मीर जाने वाले पर्यटकों की संख्या में भारी गिरावट आ रही है। ऐसे में पर्यटक जम्मू–कश्मीर के विकल्प के रूप में हिमाचल की ओर रुख कर सकते हैं। जिससे हिमाचल के पर्यटन उद्योग को नई प्राण वायु मिल सकती है। ऐसे में हिमाचल प्रदेश सरकार को यह सुनिश्चित करने के लिये हर संभव प्रयास करना होगा कि नियमित पर्यटन से हिमाचल को न केवल वर्तमान में बल्कि दीर्घकालिक लाभ भी प्राप्त हों। वहीं राज्य सरकार को ध्यान रखना होगा कि बढ़ती पर्यटन गतिविधियों से क्षेत्र की जन–जातियों की संस्कृति और जीवनचर्या में प्रतिकूल प्रभाव न पड़े। इसके लिये यह भी जरूरी है कि पर्यटन से होने वाली आय से इन क्षेत्रों के विकास को भी गति मिले। जिससे स्थानीय लोग पर्यटन गतिविधियों में उत्साह से भाग लें। ऐसा न हो कि अराजक पर्यटन संस्कृति स्थानीय लोगों की अस्मिता को ठेस पहुंचाए। रीति–नीतियां ऐसी बनें कि राज्य की आर्थिकी को गति मिलने का लाभ स्थानीय लोगों के हिस्से में भी आए ताकि वे पर्यटकों का खुशी–खुशी स्वागत करें। सरकार को भी पर्यटकों की सुविधाओं, सुरक्षा और आवागमन का विशेष ख्याल रखना होगा। इससे राज्य के पर्यटन उद्योग को दीर्घकालीन लाभ मिल सकेगा। उत्तराखंड व अन्य पर्वतीय राज्यों को भी हिमाचल की पहल का अनुकरण करना चाहिए।

महाकुंभ भगदड़ पर नए सवाल

डॉ. दीपक पाचपोर

छह महीने पहले महाकुंभ में भगदड़ मची थी, वह भी ऐसी ही एक आपदा थी। भाजपा सरकार ने इस महाकुंभ का आयोजन कुछ इस अंदाज में किया था मानो देश में मोदीजी सत्ता में हैं तो महाकुंभ का योग बना, अन्यथा नक्षत्र–तारे तो अपनी चाल बदल लेते।

जनता की सहनशक्ति, उसकी कमजोर स्मरणशक्ति या अन्याय के आगे खामोश रहने की आत्मघाती प्रवृत्ति, कारण जो भी हो, लेकिन ऐसी ही किसी वजह से देश में मानवनिर्मित (सरकार निर्मित पढ़ा जाए) आपदाएं थम ही नहीं रही हैं। छह महीने पहले महाकुंभ में भगदड़ मची थी, वह भी ऐसी ही एक आपदा थी। भाजपा सरकार ने इस महाकुंभ का आयोजन कुछ इस अंदाज में किया था मानो देश में मोदीजी सत्ता में हैं तो महाकुंभ का योग बना, अन्यथा नक्षत्र–तारे तो अपनी चाल बदल लेते। 144 साल बाद महाकुंभ का अद्भुत संयोग बना है, यही श्रद्धालुओं को बताया गया। देश ही नहीं विदेशों से भी आध्यात्म का सुख लेने लोग आ रहे हैं, इस बात को सगर्व सरकार और मीडिया ने प्रस्तुत किया। यानी कुंभ में डुबकी लगाने वाले तो सांसारिक मोह–माया से ऊपर उठे, मगर सरकार इसी में खुश होती रही कि कितने विदेशियों ने यहां डुबकी लगाई। पूरे देश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रयागराज पहुंचे थे। बहुतों को धर्म का पालन करना था, बहुतों को भेड़ चाल का हिस्सा बनना था कि जब इतने लोग पहुंच रहे हैं तो हम भी पहुंच जाए। सरकार चाहती भी यही थी कि महाकुंभ के लिए रिकार्डतोड़ आगंतुक पहुंचें। रोजाना आंकड़े पेश होते थे, आज इतने लाख लोगों ने डुबकी लगाई, आज इतने लाख लोग और पहुंच गए। बताया गया कि करीब 7 हजार करोड़ रुपए महाकुंभ के आयोजन में खर्च हुए और 66 करोड़ लोग 45 दिन में पहुंचे। सब कुछ अच्छे से चल रहा था और सरकार चाहती भी यही थी कि इस सफल आयोजन की गूंज पूरी दुनिया में जाए। दुनिया के उन्नत देश ओलंपिक, फुटबॉल वर्ल्ड कप जैसे आयोजनों से जब अपनी धाक जमा सकते हैं, तो भारत महाकुंभ के जरिए अपनी धूम मचाना चाहती थी। लेकिन 29 जनवरी को मची भगदड़ ने महाकुंभ की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए। पहले तो उप्र सरकार ने यह स्वीकार ही नहीं किया था कि भगदड़ हुई है, जबकि दिल्ली से प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति ने मृतकों के लिए श्रद्धांजलि पेश कर दी। इसके बाद सरकार ने माना कि भगदड़ हुई है, लेकिन उसमें कितने हताहत हुए, यह आंकड़े पहले पेश नहीं किए गए। जो पेश हुए, उनकी सच्चाई पर सवाल उठे। क्योंकि जहां एक साथ लाखों लोग मौजूद थे, वहां मौतों का आंकड़ा 37 बताया गया, जबकि कई पत्रकारों ने कहा था कि उन्होंने मुर्दाघरों में कहीं ज्यादा लाशें गिनी हैं। मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी जब राज्यसभा में कुंभ में हजारों मौतों का हवाला दिया था तो भाजपा सांसदों ने उन्हें टोका था कि वे गलत कह रहे हैं। तब श्री खड़गे ने कहा था कि आप सही आंकड़े बता दीजिए। लेकिन संसद में इस पर मोदी सरकार ने चर्चा होने ही नहीं दी और उप्र विधानसभा में आदित्यनाथ योगी ने 37 मौतों का आंकड़ा दिया, साथ ही बताया कि इन्हें मुआवजा भी दिया गया है। लेकिन अब मीडिया संस्थान बीबीसी की रिपोर्ट ने महाकुंभ पर नए सवाल खड़े किए हैं। बीबीसी ने महाकुंभ की भगदड़ में प्रभावित लोगों के परिजनों से मुलाकात की, 11 राज्यों में 50 से अधिक जिलों में करीब सौ परिवारों से बीबीसी रिपोर्ट्स ने मुलाकात की, तब पता चला कि कम से कम 82 लोगों की मौत भगदड़ में हुई है। इन 82 मौतों को बीबीसी ने मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा है. पहली श्रेणी उन मृतकों की है, जिनके परिजनों को 25–25 लाख रुपए का मुआवजा दिया गया। दूसरी श्रेणी उन मृतकों की है जिनके परिजनों को पांच–पांच लाख रुपए नकद दिए गए। वहीं तीसरी श्रेणी में ऐसे मृतकों को रखा गया है जिनके परिजनों को कोई आर्थिक सहायता नहीं मिली है। गौरतलब है कि योगी सरकार ने 36 परिवारों को 25 लाख डिजीटल तरीके या चौक से मुआवजे के तौर पर दिए, वहीं 26 परिवारों को नकद में मुआवजा दिया गया है, ऐसा बीबीसी का दावा है। इसके बदले उनसे फर्जी कागजों पर हस्ताक्षर कराए गए, जिनमें मौत का कारण बदल दिया गया है। यह बेहद गंभीर खुलासा है और इस पर बाकायदा ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स की जांच होनी चाहिए क्योंकि सरकारी खजाने से निकली हरेक पाई का हिसाब होता है, ऐसे में अगर नकद से 26 परिवारों को मुआवजा दिया गया है तो नकदी देने का निर्णय किस नियम के तहत हुआ, नकघ्दी का वितरण किसके आदेश पर हुआ, नकघ्दी के वितरण का लिखित आदेश कहां है, नकघ्दी वितरण में क्या कोई अनियमितता हुई, ये सारे सवाल उठ रहे हैं। यहां नरेन्द्र मोदी के नोटबंदी और कैशलेस भुगतान के दावे पर भी सवालिया निशान लग गए हैं। क्योंकि जब सरकारें ही नकद से काम करने लगेंगी तो सरकारी हिसाब–किताब कैसे पुख्ता होगा, और फिर क्या गारंटी है कि यहां काले धन का इस्तेमाल नहीं होगा। इन सारे सवालों के जवाब सरकार के पास ही हैं, लेकिन उसका रवैया पहले भी खामोश रहने का था और अब भी वैसा ही दिख रहा है। बीबीसी की खोजी रिपोर्ट पर अखिलेश यादव, कांग्रेस सभी सवाल उठा रहे हैं, लेकिन इनके जवाब देने की जगह फिलहाल भाजपा का जोर मोदी सरकार के 11 साल के जश्न पर है। बेशक सरकार खुशियां मनाएं, लेकिन लोगों की खुशी भगदड़ का शिकार न हो, इस बारे में सरकार क्या कर रही है, इसका जवाब तो देना ही चाहिए।

भारत में बढ़ते आयात से स्थानीय विनिर्माण को भारी नुकसान

नन्नू बनर्जी

भारत के आर्थिक विकास के आंकड़े घरेलू विनिर्माण, औद्योगिक उत्पादन और रोजगार सृजन से तेजी से अलग होते जा रहे हैं। पिछले वित्त वर्ष के दौरान देश की 6.5 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में विनिर्माण क्षेत्र का अत्यल्प योगदान रहा, जो चार वर्षों में सबसे ऊपर था। पिछले साल अच्छे मानसून के बावजूद, दूसरी छमाही (अक्टूबर–मार्च) में देश के कृषि क्षेत्र की वृद्धि दर 3.5 प्रतिशत रही। 2024–25 के लिए औद्योगिक विकास दर केवल 4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले चार वर्षों में सबसे कम है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल 2025 में देश का औद्योगिक उत्पादन आठ महीने के निचले स्तर 2.7 प्रतिशत पर आ गया। तब फिर देश की जीडीपी वृद्धि को कौन आगे बढ़ा रहा है? जाहिर है, देश का कम भरोसेमंद विशाल सेवा क्षेत्र, जिसे भारी आयात आधार दे रहा है। विडंबना यह है कि पिछले वित्त वर्ष में भारत के कुल आयात में 6.85 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जो देश की जीडीपी वृद्धि दर से थोड़ा अधिक है। इससे कुछ हद तक गलत धारणा बन सकती है कि जीडीपी वृद्धि आयात वृद्धि से जुड़ी हुई है। अनियंत्रित आयात, मुख्य रूप से चीन से, भारत की घरेलू उत्पादन पहल और देश के नयी नौकरी सृजन एजेंडे को कमजोर कर रहे हैं। भारत से चीन को आयात तेजी से घट रहा है। पिछले वित्त वर्ष में, चीन से भारत का आयात 113 अरब डॉलर से अधिक था, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में 11.5 प्रतिशत अधिक था। चीन से आयात किये जाने वाले शीर्ष उत्पादों में विद्युत और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, मशीनरी, कार्बनिक रसायन और प्लास्टिक शामिल थे, जिनमें से अधिकांश का निर्माण भारत में किया जाना चाहिए था। इस वृद्धि ने भारत के व्यापार घाटे को बढ़ाने में योगदान दिया। इसके विपरीत, चीन को भारत का माल निर्यात पिछले साल के 16.66अरब डॉलर से घटकर केवल 14.25 बिलियन डॉलर रह गया। निर्यात–प्रधान चीन भारत से कुछ भी आयात करना पसंद नहीं करता है। सरकार में कोई भी व्यक्ति देश में साल दर साल, खास तौर पर चीन से आयात में हो रही भारी वृद्धि के बारे में चिंतित नहीं दिखता। आयात ज्यादातर घरेलू उत्पादन और स्थानीय नौकरियों की कीमत पर होता है। कोई भी देश केवल माल का आयात नहीं करता। वह श्रम का भी आयात करता है, जो आयातित उत्पादों के निर्माण में जाता है। चीन भारत का शीर्ष आयात स्रोत बना हुआ है, जो किसी भी एक देश से अब तक का सबसे बड़ा आयात स्रोत है। पिछले वित्त वर्ष में, भारत का कुल आयात बढ़कर 915.19अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है। यह वृद्धि उच्च माल आयात द्वारा संचालित थी, जो 720.24अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गयी, जो पिछले वित्त वर्ष में 678.21अरब अमेरिकी डॉलर की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि थी। सरकार का कोई भी विभाग वर्तमान भाजपा के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय सरकार के संचालन के बाद से कम और धीमी घरेलू औद्योगिक उत्पादन और घटती हुई नौकरी वृद्धि दर की जिम्मेदारी लेने को तैयार नहीं है। सरकार एक सपने के सौदागर की तरह काम कर रही है, जिसे अक्सर भारत की दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं का पूर्वानुमान लगाने और उस पर ध्यान केंद्रित करने में व्यस्त देखा जाता है। आयात करके प्रसन्न रहने वाली सरकार की उदार निवेश नीति, विशेष रूप से विनिर्माण में, की अनुपस्थिति में तथाकथित मेक–इन–इंडिया पहल को बहुत कम सफलता मिली।

बाल श्रम निषेध

–सुनीता मलिक सोलंकी

बाल श्रम रोकना एक बहुत ही आवश्यक कदम है।भारत में बाल श्रम एक गंभीर समस्या है जो देश भर में लाखों बच्चों को प्रभावित करती है।

यह समस्या न केवल बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित करती है, बल्कि उनके शिक्षा और भविष्य को भी खतरे में डालती है। मगर पारिवारिक माली हालातों के चलते ही शायद कोई अपने बच्चों को श्रम पर ले जाने को मजबूर होता है? सरकार को इसके लिए कठोर कदम उठाने चाहिए।

बच्चे बचपन में ही पेट आदि की गंभीर बीमार से घिर जाते हैं। समय से खाना नहाना सोना पढना खेलना कभी मयस्सर न होने के कारण कम उम्र में ही मृत्यु को प्राप्त हो जाते है।इसलिए, बाल श्रम निषेध एक आवश्यक कदम है जो हमें उठाना चाहिए।

बाल श्रम के और भी कई कारण हो सकते हैं, कुछ प्रमुख कारण जैसेरू

गरीबी एक प्रमुख कारण है जिसकी वजह से बच्चे काम करने के लिए मजबूर होते हैं।

शिक्षा की कमी के कारण बच्चे स्कूल नहीं जा पाते हैं और काम करने के लिए मजबूर होते हैं।

कुछ बच्चों को अपने परिवार की जिम्मेदारी संभालने के लिए काम करना पड़ता है।

बाल श्रम के बच्चों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव––बाल श्रम के कई प्रभाव हो सकते हैं, जैसे––बाल श्रम बच्चों के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है। बाल श्रम के कारण बच्चे शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। बाल श्रम बच्चों के भविष्य की संभावनाओं को खतरे में डाल सकता है।

बाल श्रम निषेध के लिए सरकार व स्वयं सेवी संस्थाओं द्वारा प्रयास किया जाए तो वह क्या किया जा सकता है?बाल श्रम निषेध के लिए कई कदम उठाए जा सकते हैं,जैसे–– शिक्षा को बढ़ावा देने से बच्चे स्कूल जा सकते हैं और काम करने से बच सकते हैं। सामाजिक समर्थन प्रदान करने से बच्चों को काम करने से बचाया जा सकता है।कानून और नीतियों को लागू करने से बाल श्रम को रोका जा सकता है।

अंत में बाल श्रम निषेध एक आवश्यक कदम है जो हमें उठाना चाहिए। हमें शिक्षा को बढ़ावा देने, सामाजिक समर्थन प्रदान करने, और कानून और नीतियों को लागू करने के लिए काम करना चाहिए। आइए हम बाल श्रम निषेध के लिए एकजुट हों और बच्चों के भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए काम करें।

मोदी के 11 सालः राष्ट्रवाद का झंडा और राष्ट्रीय सुरक्षा का शोकगीत

अनिल जैन

सोमवार (9 जून) को प्रधानमंत्री के रूप में नरेन्द्र मोदी ने अपने तीसरे कार्यकाल का पहला साल पूरा कर लिया है। वैसे उन्हें प्रधानमंत्री बने 11 साल हो गए हैं। 26 मई, 2014 को प्रधानमंत्री बनने से पहले वे करीब साढ़े बारह साल तक गुजरात के मुख्यमंत्री रहे थे। उस भूमिका में रहते हुए उन्होंने प्रचार माध्यमों के जरिए अपनी छवि विकास पुरुष की बनाई थी। इसी छवि के सहारे वे प्रधानमंत्री पद की दौड़ में शामिल हुए थे। प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में उन्होंने देश की जनता से 60 महीने मांगते हुए कई वादे किए थे और तरह–तरह के सपने दिखाए थे। उनके वादों और सपनों का लब्बो–लुआब यह था कि वे पांच साल में भारत को विकसित देशों की कतार में ला खड़ा कर देंगे। देश की जनता ने उनके वादों पर ऐतबार करते हुए उन्हें न सिर्फ पांच साल का एक कार्यकाल सौंपा बल्कि उस कार्यकाल में तमाम मोर्चों पर उनकी नाकामी के बावजूद उन्हें पूर्ण बहुमत के साथ पांच साल का दूसरा कार्यकाल भी दे दिया। यही नहीं, इस दौरान कई राज्यों में भी भाजपा की सरकारें बन गईं– कहीं स्पष्ट जनादेश से तो कहीं विपक्षी विधायकों की खरीद–फरोख्त के जरिए जनादेश का अपहरण करते हुए। इसके बावजूद हर मोर्चे पर उनकी नाकामियों का सिलसिला न सिर्फ जारी रहा बल्कि तेज गति से जारी रहा। यही वजह रही कि मोदी को तीसरा कार्यकाल आसानी से हासिल नहीं हुआ। इसके लिए उन्हें चुनाव आयोग जैसी संवैधानिक संस्था का घोर दुरुपयोग, विपक्षी दलों और नेताओं का निर्ममतापूर्वक दमन, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और लालच व दबाव के जरिये मीडिया के बंध्याकरण का सहारा लेना पड़ा। यह सब करने के बावजूद उनकी पार्टी बहुमत से काफी दूर रही और वे सहयोगी दलों की बैसाखियों के सहारे ही सरकार बना सके। मोदी सरकार के दो कार्यकाल तो देश के आम आदमी के लिए तमाम तरह की दुश्वारियों से भरे हुए रहे ही और तीसरे कार्यकाल का पहला साल भी न सिर्फ बेहद निराशाजनक रहा है बल्कि मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले भारत की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक मजबूत राष्ट्र की जो छवि थी, वह भी पूरी तरह चौपट होती दिख रही है। बहरहाल 11वें साल की चर्चा करने से पहले मोदी के उस भाषण को भी याद लेना चाहिए, जो उन्होंने 11 साल पहले प्रधानमंत्री के रूप में पहली बार लाल किले से दिया था। मोदी ने मई 2014 में प्रधानमंत्री बनने बाद जब 15 अगस्त, 2014 को स्वाधीनता दिवस पर लाल किले से पहली बार देश को संबोधित किया था तो उनके भाषण को समूचे देश ने ही नहीं बल्कि दुनिया के दूसरे तमाम देशों ने भी बड़े गौर से सुना था। विकास और राष्ट्रवाद की मिश्रित लहर पर सवार होकर सत्ता में आए मोदी ने अपने उस भाषण में देश की आर्थिक और सामाजिक तस्वीर बदलने का इरादा जताते हुए देशवासियों और खासकर अपनी पार्टी तथा उसके सहमना संगठनों से अपील की थी कि अगले दस साल तक देश में सांप्रदायिक या जातीय तनाव के हालात पैदा न होने दें। मोदी ने कहा था– श्जातिवाद, सांप्रदायवाद, क्षेत्रवाद, सामाजिक या आर्थिक आधार पर लोगों में विभेद, ये सब ऐसे जहर हैं, जो हमारे आगे बढ़ने में बाधा डालते हैं। आइए, हम सब एक संकल्प लें कि अगले दस साल तक हम इस तरह की किसी गतिविधि में शामिल नहीं होंगे। हम आपस में लड़ने के बजाय गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा तथा तमाम सामाजिक बुराइयों से लड़ेंगे और एक ऐसा समाज बनाएंगे जो हर तरह के तनाव से मुक्त होगा। मैं अपील करता हूं कि यह प्रयोग एक बार अवश्य किया जाए। इतना ही नहीं, मोदी ने अपने उस भाषण में पड़ोसी देश पाकिस्तान की ओर भी दोस्ती का हाथ बढ़ाने का संकेत दिया था। उन्होंने गरीबी, बेरोजगारी, अशिक्षा, आतंकवाद आदि को भारत और पाकिस्तान की समान समस्याएं बताते हुए आह्वान किया था कि दोनों देश आपस में लड़ने के बजाय कंधे से कंधा मिला कर इन समस्याओं से लड़ेंगे तो दोनों देशों की तस्वीर बदल जाएगी। मोदी का यह भाषण उनकी स्थापित और बहुप्रचारित छवि के बिल्कुल विपरीत, सकारात्मकता और सदिच्छा से भरपूर माना गया था। देश–दुनिया में इस भाषण को व्यापक सराहना मिली थी, जो स्वाभाविक ही थी। उनके इस भाषण के बाद उम्मीद लगाई जा रही थी कि उनकी पार्टी तथा उसके उग्रपंथी सहमना संगठनों के लोग अपने और देश के सर्वोच्च नेता की ओर से हुए आह्वान का सम्मान करते हुए अपनी वाणी और व्यवहार मे संयम बरतेंगे। मगर रत्ती भर भी ऐसा कुछ नहीं हुआ। बहुत जल्दी ही खुद मोदी भी खुल कर सांप्रदायिक एवं विभाजनकारी भाषण देने लगे, जिससे प्रेरित होकर देश भर में कहीं गाय के नाम पर, कहीं धर्म के नाम पर तो कहीं देशभक्ति के नाम पर मुसलमानों और दलितों के उत्पीड़न की घटनाएं होने लगीं। हैरानी और अफसोस की बात यह कि इन सब बातों का सिलसिला कोरोना जैसी भीषण महामारी के दौर में भी थमा नहीं और जिसका चरम पूरे देश ने हाल ही में पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद के घटनाक्रम के दौरान देखा है। पहलगाम हमले का मकसद कश्मीर के सामान्य होते हालात को बिगाड़ने के साथ ही देश भर में हिंदू–मुस्लिम टकराव पैदा करना था और इस पर भाजपा की ओर से जिस तरह की प्रतिक्रिया व्यक्त की जा रही थी, वह आतंकवादियों के मकसद को पूरा करने का प्रयास ही लग रही थी। मगर देश के मुस्लिम समुदाय के संयम और समझदारी ने उस मकसद को नाकाम कर दिया। भारतीय सेना ने पहलगाम हमले के दोषियों को सबक देने के लिए जब पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में स्थित आतंकवादियों के अड्डों पर सैन्य कार्रवाई की और उस कार्रवाई के चलते जब पाकिस्तान के साथ युद्ध जैसे हालात बने, तब भी पूरा देश सेना और सरकार के पीछे एकजुट रहा। भारतीय सेना अपने मिशन में काफी हद तक कामयाब होने के बाद पाकिस्तानी सेना के हमलों का भी मुंहतोड़ जवाब दे रही थी, तब अचानक संघर्ष विराम का फैसला हो गया, जिसका ऐलान भारत या पाकिस्तान की ओर से नहीं बल्कि अमेरिकी राष्ट्रपति की ओर से हुआ। यही नहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कश्मीर मसले पर दोनों देशों के बीच मध्यस्थ बनने की बात भी कही। अमेरिकी राष्ट्रपति की इस बात को भारत सरकार ने किस मजबूरी के चलते स्वीकार किया, यह अभी भी रहस्य बना हुआ है और इस बारे में सवाल पूछने वालों को सरकार और सत्तारूढ़ पार्टी की ओर से 'देशद्रोही' करार दिया जा रहा है। पहलगाम हमला स्पष्ट रूप से सुरक्षा चूक यानी सरकार की लापरवाही का नतीजा था लेकिन सरकार इसे भी स्वीकार करने को तैयार नहीं है। बहरहाल इस पूरे घटनाक्रम का सर्वाधिक दुखद और शर्मनाक पहलू यह रहा कि पहलगाम हमले से लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच हुए सैन्य टकराव तक दुनिया का कोई भी देश भारत के समर्थन में सामने नहीं आया। अलबत्ता पाकिस्तान को जरूर चीन तथा कुछ अन्य देशों ने न सिर्फ सामरिक सहयोग दिया बल्कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से उसे भारी–भरकम आर्थिक सहायता भी मिल गई। भारत सरकार ने पाकिस्तान के खिलाफ वैश्विक समर्थन जुटाने के लिए सांसदों, पूर्व सांसदों और राजनयिकों के कई प्रतिनिधिमंडल दुनिया भर के देशों में भेजे, मगर यह कवायद भी न सिर्फ नाकाम रही बल्कि हास्यास्पद भी साबित हुई, क्योंकि भारत की ओर से जिस पाकिस्तान को आतंकवादी देश घोषित करने की अपील दुनिया भर से की जा रही थी, उसे संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में आतंकवाद निरोधक कमेटी का उपाध्यक्ष और तालिबान प्रतिबंधा समिति का अध्यक्ष भी चुन लिया गया।

बिना किसी का नाम लिए इंडस्ट्री को बदनाम करने पर कृति खरबंदा ने रखी स्पष्ट बात-एक व्यक्ति की वजह से पूरी इंडस्ट्री को दोषी ठहराया..

एक्ट्रेस कृति खरबंदा बॉलीवुड इंडस्ट्री की जानी–मानी एक्ट्रेसेस में से एक हैं, जो अक्सर किसी न किसी वजह को लेकर सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में कृति ने सिनेमैटोग्राफर प्रतीक शाह पर लगे कार्यस्थल पर यौन दुर्व्यवहार के आरोपों को लेकर सशक्त बयान दिया है। कृति ने बिना किसी का नाम लिए,इस मुद्दे को लेकर यह स्पष्ट किया कि कैसे किसी एक व्यक्ति के गलत आचरण की वजह से पूरी इंडस्ट्री को दोषी ठहरा दिया जाता है। कृति खरबंदा ने अपनी बात रखते हुए कहा, "जैसा मैं देख रही हूं, वह एक सिनेमैटोग्राफर है, ये उसका पेशा है। लेकिन असली समस्या उसके व्यक्तित्व में है। ऐसा किसी भी क्षेत्र में हो सकता है। कॉर्पोरेट, मीडिया, कहीं भी। हम लोग चूंकि लाइमलाइट में होते हैं, इसलिए बातें ज़्यादा उठती हैं। लेकिन महिलाएं और पुरुष दोनों ही अपने काम की जगहों पर और कभी–कभी घर पर भी, ऐसी चीजों का सामना करते हैं। कृति ने कहा, जब कोई हमारी इंडस्ट्री के बाहर ऐसा कुछ करता है, तो हम उसका पेशा नहीं, उसका नाम या उम्र बताते हैं। लेकिन जब कोई फिल्म इंडस्ट्री से होता है, तो पूरी इंडस्ट्री को बदनाम कर दिया जाता है। ये नाइंसाफी है। कोई भी इंडस्ट्री अच्छी या बुरी नहीं होती। सिर्फ लोग अच्छे या बुरे होते हैं। और ये एक व्यक्तिगत चुनाव होता है, जो उनके मूल्यों पर निर्भर करता है। दरअसल, पिछले दिनों प्रतीक शाह पर फिल्ममेकर अभिनव सिंह और सृष्टि रिया जैन ने महिलाओं को परेशान करने के आरोप लगाए थे। अभिनव सिंह ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी शेयर करते हुए दावा किया था कि प्रतीक लोगों को इमोशनली अब्यूज करता है और साथ ही बातों को गलत तरीके से पेश करता है। वहीं अभिनव ने बताया कि जब उन्होंने सोशल मीडिया पर प्रतीक के गलत व्यवहार के बारे में बात की तो करीब 20 महिलाओं ने उनसे संपर्क किया और प्रतीक शाह के बारे में कई खुलासे किए।

> “
> कृति खरबंदा ने अपनी बात रखते हुए कहा, "जैसा मैं देख रही हूं, वह एक सिनेमैटोग्राफर है, ये उसका पेशा है। लेकिन असली समस्या उसके व्यक्तित्व में है। ऐसा किसी भी क्षेत्र में हो सकता है। कॉर्पोरेट, मीडिया, कहीं भी। हम लोग चूंकि लाइमलाइट में होते हैं, इसलिए बातें ज़्यादा उठती हैं। लेकिन महिलाएं और पुरुष दोनों ही अपने काम की जगहों पर और कभी-कभी घर पर भी, ऐसी चीजों का सामना करते हैं।

बेटे के साथ महाकाल दर्शन करने उज्जैन पहुंचीं कुनिका सदानंद, महादेव की भक्ति में रंगी दिखी मां-बेटे की जोड़ी

एक्ट्रेस कुनिका सदानंद हाल ही में बेटे संग उज्जैन पहुंची हैं, जहां उन्होंने महाकाल के दर्शन किए। कुनिका ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो मंदिर के अंदर आस्था और भक्ति में लीन नजर आ रही हैं। इस पोस्ट में उन्होंने आस्था के शहर उज्जैन का जिक्र करते हुए महाकाल के दरबार में अपनी आध्यात्मिक कहानी सुनाई है। वीडियो में उनके साथ उनका बेटा भी नजर आ रहा है। उन्होंने लिखा है–कहते हैं उज्जैन सिर्फ एक शहर नहीं, एक जीवन की यात्रा है। महाकाल के दरबार से शुरू हुई मेरी ये आध्यात्मिक कहानी– जहां समय रुक जाता है और आत्मा जाग जाती है। काल भैरव का तीखा तेवर, चिंतामन गणेश की मुस्कुराहट में छुपी शांति, हरसिद्धि माता के दीपो का प्रकाश, बगलामुखी मां का आग्रह और संकल्प, और मंगलनाथ का ब्रह्माण्ड से जुड़ता हुआ सांझ का वादा... उज्जैन ने मुझे अंदर तक छू लिया। ये सफर था अंदर के शोर को शांत करने का। ये था एक मिलन – मेरे और मेरे धर्म के बीच का जय महाकाल. बता दें कि स्वाभिमान से मशहूर हुईं कुनिका काल भैरव रहस्य, ससुराल सिमर का, संजोग से बनी संगिनी, और प्यार का दर्द है मीठा–मीठा प्यारा–प्यारा में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने कई फिल्मों में भी काम किया है जिसमें हम साथ साथ हैं, हेरा फेरी, शादी करके फंस गया यार और पेज थ्री जैसी फिल्में शामिल हैं।

प्रियंका चोपड़ा ने पापा अशोक चोपड़ा को किया याद, शेयर की बचपन की अनमोल तस्वीर

ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा जिनका करियर और परिवार दोनों ही बेहतरीन तरीके से संभाल रही हैं, लेकिन इन सब के बीच उन्हें अपनों की कमी खलती है। एक्ट्रेस ने अपने पापा अशोक चोपड़ा की याद की और बताया कि वह उन्हें हर दिन मिस करती हैं। प्रियंका चोपड़ा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में एक पुरानी तस्वीर शेयर की। इस फोटो में वह अपने पापा के साथ नजर आ रही हैं। तस्वीर में प्रियंका बेहद छोटी दिख रही हैं और अपने पापा के साथ बर्फीले पहाड़ों में मस्ती करती हुई नजर आ रही हैं। उन्होंने गर्म कपड़े पहने हुए हैं और बर्फ पर बैठकर पापा की ओर देख मुस्कुरा रही हैं। इस फोटो को शेयर करते हुए प्रियंका ने लिखा, हर दिन आपकी याद आती है, पापा। बता दें कि एक्ट्रेस के पापा अशोक चोपड़ा का निधन कैंसर की वजह से हुआ था। उनकी तबीयत काफी खराब रहने लगी थी। 62 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली। वर्कफ्रंट की बात करें तो, प्रियंका इन दिनों अपनी नई फिल्म हेड्स ऑफ स्टेट की तैयारियों में व्यस्त हैं। इस फिल्म का निर्देशन इल्या विक्टरोविच नाइशुल्लर ने किया है। यह 2 जुलाई को प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। हेड्स ऑफ स्टेट एक्शन से भरपूर फिल्म है। इसमें प्रियंका श्नोएल बिसेटश नाम

की महिला का किरदार निभा रही हैं, जो एमआई6 एजेंट के रूप में काम करती है। इस फिल्म में जॉन सीना और इद्रिस एल्बा भी अहम किरदार में हैं। इसके अलावा, प्रियंका के पास श्एसएसएमबी 29श नामक एक बड़ी फिल्म भी है, जिसे मशहूर डायरेक्टर एस. एस. राजामौली बना रहे हैं। यह पहली बार है जब प्रियंका राजामौली के साथ काम कर रही हैं। इस फिल्म में महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यही नहीं, प्रियंका की झोली में निर्देशक फ्रैंक ई. फ्लावर्स की फिल्म द ब्लफ भी है। इस फिल्म में वह समुद्री डाकू की भूमिका निभाएंगी। फिल्म की कहानी परिवार की रक्षा करने के इर्द–गिर्द भी घूमती है। प्रियंका चोपड़ा जल्द ही वेब सीरीज सिटाडेल 2 में भी नजर आएंगी। यह एक जासूसी और एक्शन से भरी सीरीज है, जिसका पहला सीजन साल 2023 में रिलीज हुआ था।

करण कुंद्रा ने तेजस्वी प्रकाश का जन्मदिन नहीं मनाया? उज्जैन नें दोनों नहीं दिखे साथ

तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा की जोड़ी को फैंस काफी ज्यादा पंसद करते हैं। कई बार दोनों की शादी की अफवाहें सोशल मीडिया पर उड़ती रहती है। इसके अलावा कई बार कुछ तस्वीरों को लेकर ऐसे दावे किए जाते है कि दोनों का ब्रेकअप हो गया है। इस बार फिर से दोनों के बीच अनबन के सोशल मीडिया पर दावे किए जा रहे हैं। तेजस्वी प्रकाश ने हाल ही में अपना 32वां जन्मदिन मनाया। उज्जैन में अपनी आगामी परियोजनाओं में से एक की शूटिंग कर रही अभिनेत्री ने अपनी

टीम और क्रू मेंबर्स के साथ सेट पर अपना खास दिन मनाया। सोशल मीडिया पर सामने आए एक वीडियो में तेजस्वी केक काटती हुई दिखाई दे रही थीं, जबकि क्रू मेंबर्स उनके लिए ताली बजा रहे थे। ताज और 'हैप्पी बर्थडे' सैश पहने हुए वह मुस्कुरा रही थीं। हालांकि, तेजस्वी के बॉयफ्रेंड करण कुंद्रा कहीं नजर नहीं आए। खबर है कि एक्टर उसी दिन उज्जैन में थे। माइक्रोब्लॉगिंग साइट एक्स पर कुंद्रा की एक तस्वीर सामने आई है, जो उज्जैन की बताई जा रही है। तस्वीर में उनके माथे पर हल्दी लगी हुई है और लाल रंग से श्जय महाकालश लिखा हुआ है। इससे पहले दिन में तेजस्वी प्रकाश ने अपने जन्मदिन पर भगवान शिव का आशीर्वाद लेने के लिए उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर का भी दौरा किया। हालांकि, वह मंदिर में अकेली भी देखी गईं। उन्होंने अपनी यात्रा के बाद समाचार एजेंसी एएनआई को बताया "मैंने आज दर्शन और भस्म आरती के लिए महाकालेश्वर मंदिर का दौरा किया। आज मेरा जन्मदिन भी है और प्रार्थना करने के बाद, मैं और भी अधिक धन्य महसूस करती हूं। मेरा दिन सुबह 3 बजे ही शुरू हो गया था... आरती के दौरान, मैं अपने अंदर शक्ति और ऊर्जा का संचार महसूस कर सकती थी। तेजस्वी प्रकाश और करण कुंद्रा की बात करें तो दोनों की मुलाकात बिग बॉस 15 के घर के अंदर हुई थी और दोनों एक–दूसरे के प्यार में पड़ गए थे। पिछले साल, उनके ब्रेकअप की अफवाहों ने भी सुर्खियाँ बटोरीं। हालाँकि, उस समय, कुंद्रा ने ऐसी सभी अटकलों को खारिज कर दिया और म्प्पउमे से कहा, यह अपने चरम पर कल्पना है।ष इससे पहले, छमे18वीं के साथ एक विशेष साक्षात्कार में, करण ने साझा किया कि वह और तेजस्वी बहुत मजबूत हैं और उनकी शादी के बारे में सवालों से बेपरवाह हैं। उन्होंने कहा कि ष्ईमानदारी से कहूं तो, अगर मैं दबाव लेना शुरू कर दूं, तो मैं बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पाऊंगा। मैं एक कलाकार हूं और मुझे अपने जीवन में कुछ बहुत ही महत्वपूर्ण निर्णय लेने हैं,ष उन्होंने हमें बताया और फिर कहा, ष्मुझे दबाव के बजाय कई अन्य चीजों की चिंता करनी पड़ती है। कोई बुरा न मानें लेकिन अगर मैं यह दबाव लेता हूं तो मैं अपना जीवन नहीं जी सकता। (मैं) इतना समझदार हूं कि जानता हूं कि कब क्या होना चाहिए। न ही रिश्ता बदला है। हम काफी खुश हैं, सुलझे हुए हैं।

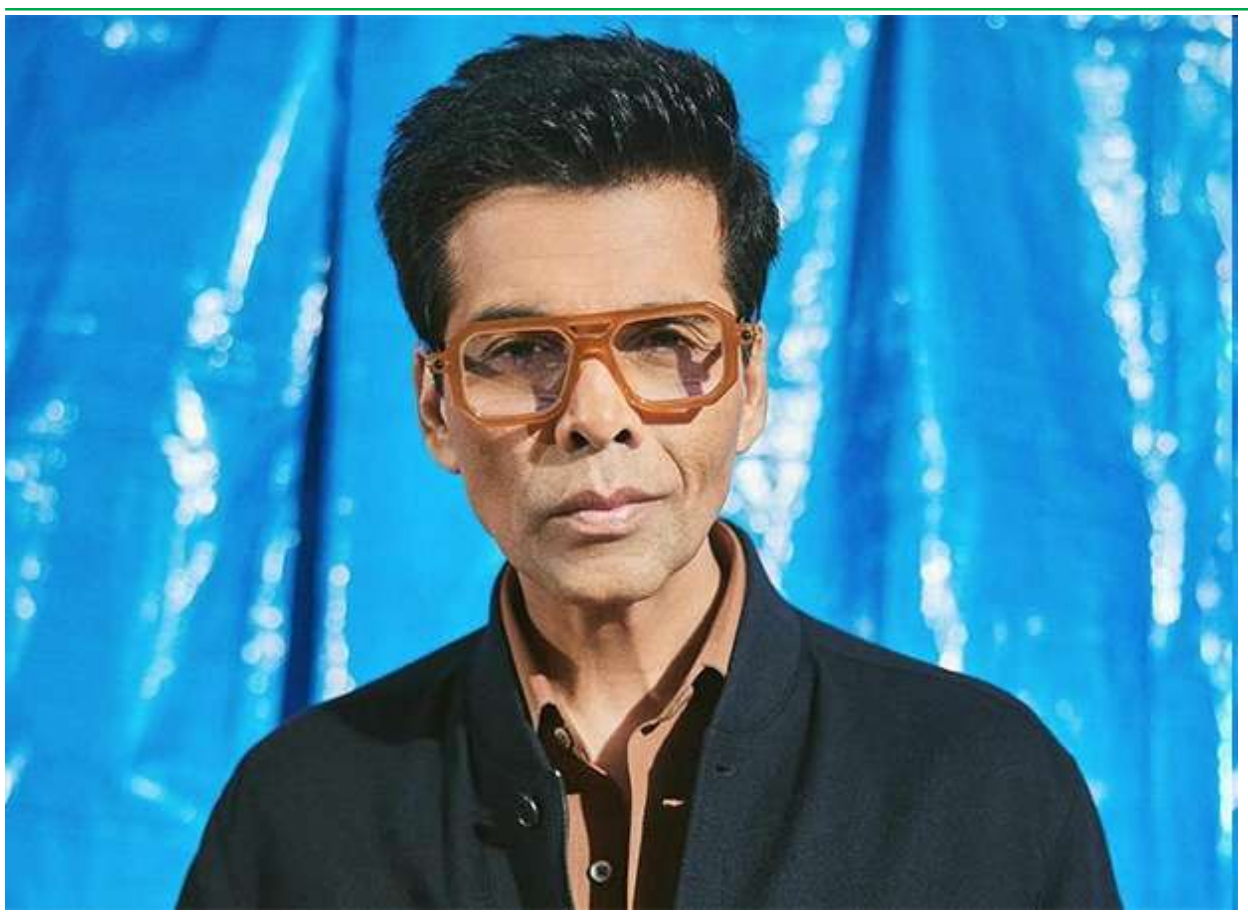

करण जौहर ने बॉलीवुड की झुंड मानसिकता पर की बात, कहा-20 और फिल्ममेकर्स वैसे ही फिल्में बनाने लगते जैसी..

करण जौहर फिल्म इंडस्ट्री के सबसे मशहूर फिल्ममेकर्स में से एक हैं, जिन्होंने हिंदी सिनेमा को गहरी छाप छोड़ने वाली कई फिल्में दी हैं। अपने काम के अलावा करण जौहर अपने अंदाज और बयानबाजी के लिए भी जाने–जाते हैं। वहीं, अब हाल ही में फिल्ममेकर ने बॉलीवुड की सबसे बड़ी परेशानी ष्झुंड मानसिकताष पर बात की। उनका कहना है कि आजकल बहुत से लोग हिट फिल्मों की कॉपी करने लगे हैं, ताकि वे भी दर्शकों को आकर्षित कर सकें और उनकी फिल्म चल जाए, लेकिन यह तरीका सफल नहीं हो सकता। करण ने कहा, "मुझे लगता है कि लोग अब वही करने लगे हैं जो दूसरों को करते देख रहे हैं। जैसे अगर 'पुष्पा' फिल्म चल रही है और वह छोटे शहरों के लोगों को बहुत पसंद आ रही है, तो तुरंत ही 20 और फिल्ममेकर्स वैसे ही फिल्में बनाने लगते हैं। अगर 'छावा' नाम की फिल्म चलती है, तो सब लोग हिस्टॉरिकल फिल्म बनाने लगते हैं। 'स्त्री' हिट होती है, तो सब हॉरर कॉमेडी बनाने लगते हैं, लेकिन ये फिल्में इसलिए हिट हुईं क्योंकि वे अपनी–अपनी कैटेगरी में नई और अलग थीं। उस समय ऐसी कोई और फिल्में नहीं थीं। इनका खास और अलग आइडिया ही इनकी सफलता की वजह बना। करण ने आगे कहा, "हमें ऐसे आइडिया पर काम करना चाहिए जो हमारी खुद की सोच से निकले हों, जो अलग हों। किसी ने मुझसे पूछा, 'क्या आपकी भी कोई यूनिवर्स है?' मैंने पूछा, 'जैसे?' तो उसने कहा, 'जैसे कोई स्पाई यूनिवर्स या पुलिस यूनिवर्स।' मैंने कहा, 'मेरा यूनिवर्स तो खुद सिनेमा है।' मैं कोई यूनिवर्स बनाने नहीं आया हूं, मैं कहानियां सुनाने आया हूं। अगर किसी कहानी में खुद–ब–खुद कोई यूनिवर्स बनता है, तो वो भी ठीक है। बता दें, करण जौहर उस वक्त काफी चर्चा में आए थे जब वो कांस फिल्म फेस्टिवल 2025 में अपनी फिल्म 'होमबाउंड' के प्रीमियर के लिए पहुंचे थे। यह फिल्म धर्मा प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है। फिल्म का निर्देशन नीरज घेवन ने किया है और इसमें ईशान खट्टर, विशाल जेठवा और जान्हवी कपूर अहम किरदार निभा रहे हैं।

क्या आम खाने से बढ़ता है पिंपल्स-छाले का खतरा, जानिए इसे खाने का सही तरीका

गर्मियों के मौसम में श्फलों का राजाश आम आने लगता है। आम खाना लगभग हर किसी को पसंद होता है। क्योंकि यह रसीला फल न सिर्फ स्वाद में अच्छा होता है, बल्कि यह पोषण से भी भरपूर होता है। आम में विटामिन सी, पोटेशियम, मैग्नीशियम और फाइबर जैसे जरूरी तत्व पाए जाते हैं। जोकि स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माने जाते हैं। लेकिन कुछ लोग 2–3 आम खाने के बाद या लगातार कुछ दिन आम खाते हैं, तो उनके फेस पर पिंपल्स यानी की मुंहासे निकल आते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि क्या वाकई आम खाने से स्किन को नुकसांन पहुंच सकता है।

आम खाने से मुंहासे निकलना

हालांकि इस बाद का कोई साइंटिफिक प्रूफ नहीं है, जो यह साबित करे कि आम खाने से पिंपल्स की समस्या होती है। लेकिन कुछ कारणों की वजह से आम खाने से स्किन पर पिंपल्स हो सकते हैं।

पिंपल्स निकलने का कारण

बता दें कि आम के छिलके और रस में 5–रेसोर्सिनॉल नामक केमिकल पाया जाता है। जोकि स्किन पर लगने से पिंपल्स जैसे निशान बना सकता है। वहीं यह मुंह में जाने पर स्टोमेटाइटिस यानी की जलन और छोटे–छोटे घाव हो सकते हैं।

हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स

आम का ळप् लेवल ज्यादा होता है।

जिससे शुगर और इंसुलिन लेवल तेजी से बढ़ता है।

आम खाने से सीबम का प्रोडक्शन बढ़ जाता है।

इससे स्किन पोर्स ब्लॉक हो जाते हैं, जोकि मुहांसे का कारण बन सकते हैं।

केमिकल से पके आम

कैल्शियम कार्बाइड से पकाए गए आम खाने से एसिटिलीन गैस बनती है। इस गैस की वजह से मुंह में छाले या फिर जलन की समस्या हो सकती है। वहीं अगर किसी व्यक्ति में विटामिन की कमी है, तो आम खाने से मुंह में छाले हो सकते हैं।

किन लोगों को नहीं खाना चाहिए आम

डायबिटीज के मरीज

मोटापे से जूझ रहे लोगों को

पाचन संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों को

स्किन एलर्जी वाले लोगों को

किडनी मरीजों को

4 साल से कम उम्र के बच्चों को

किन चीजों के साथ न खाएं आम

अगर आप खट्टे फलों के साथ आम का सेवन करते हैं, तो आपके पाचन में गड़बड़ी हो सकती है।

मसालेदार खाने के साथ आम का सेवन नहीं करना चाहिए।

दही के साथ भी आम का सेवन नहीं करना चाहिए।

शराब आदि के साथ आम नहीं खाना चाहिए।

आम खाने के बाद ठंडा पानी नहीं पीना चाहिए।

पानी में भिगाएं आम

आम खाने से पहले हमेशा इसको 2–3 घंटे ताजे पानी में भिगोकर रखना चाहिए। इससे इसमें मौजूद फाइटिक एसिड और कीटनाशक हट जाते हैं। यह न्यूट्रिएंट्स के अवशोषण और पाचन में बाधा बन सकते हैं।

ठंडा आम न खाएं

फ्रिज से निकालकर फौरन ठंडा आम खाने से बचना चाहिए। इससे गले में खराश या पाचन तंत्र बिगड़ सकता है। इसे सामान्य तापमान में कुछ देर के लिए रखना चाहिए।

खाली पेट न खाएं

कभी भी खाली पेट आम नहीं खाना चाहिए। क्योंकि इससे आपको एसिडिटी हो सकती है। इसलिए कुछ खाने के बाद ही इसको खाना बेहतर है।

शुद्ध और पका आम खाएं

मार्केट से आम खरीदने के दौरान ध्यान रखें कि वह कार्बाइड से पका हुआ न हो। क्योंकि ऐसा आम खाने से आपके शरीर से नुकसान पहुंच सकता है।

पानी में भिगोकर आम खाना फायदेमंद

आम में फाइटिक एसिड पाया जाता है, जो एक एंटी–न्यूट्रिएंट होता है। यह शरीर में जरूरी न्यूट्रिएंट्स जैसे कैल्शियम, आयरन को अच्छे से एब्जॉर्ब नहीं होने देता है। वहीं जब आप 2–3 घंटे पानी में भिगोते हैं, तो इससे फाइटिक एसिड कम हो जाता है। वहीं शरीर को भी आम से मिलने वाले न्यूट्रिएंट्स अच्छे से मिलते हैं।

आम में मौजूद फाइटोकेमिकल्स भी कम हो जाते हैं। जिससे नेचुरल फैट बस्टर की तरह काम करता है। वहीं आम को भिगोने से इस पर लगे कीटनाशक, धूल–मिट्टी और गंदगी भी हट जाती है। जिससे बीमारियों का खतरा कम हो जाता है।

रोजाना कितने आम खाएं

यह आपके स्वास्थ्य पर निर्भर करता है। आमतौर पर रोजाना एक मध्यम आकार का आम खाना सबसे बेहतर है। इससे जरूरी न्यूट्रिएंट्स मिलते हैं। इससे ब्लड शुगर लेवल संतुलित रहता है और इससे मुंहासों या शुगर स्पाइक्स का खतरा कम होता है।

कैसे ठीक करें पिंपल्स

अगर आम खाने से पिंपल्स की समस्या होती है, तो ऐसी स्थिति में आम कम मात्रा में खाना चाहिए। खासकर अगर आपकी त्वचा मुंहासों के प्रति सेंसिटिव है, तो खूब पानी पिएं, बैलेंस्ड डाइट लें और हाई ग्लाइसेमिक फूड्स से बचना चाहिए। फेस को साफ रखने के लिए जेंटल क्लींजर का इस्तेमाल करें और सूजन को कम करने का प्रयास करने की कोशिश करें। वहीं अगर पिंपल्स अधिक हो जाएं, तो डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह लें।

सुबह खाली पेट पानी पीने के दौरान न करें ये गलतियां, नहीं तो फायदे से ज्यादा हो जाएगा नुकसान

बहुत से लोग सुबह उठकर सबसे पहले पानी पीते हैं जो कि एक बेहद अच्छी आदत है। खाली पेट पानी पीने के एक नहीं कई फायदे हैं, यही एक छोटी–सी आदत आपकी सेहत को चमत्कारी ढंग से बदल सकती है। हालांकि बहुत से लोग पानी पीने की सही मात्रा और इससे जुड़ी जरूरी सावध ानियों से अनजान हैं, जिसके चलते उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ता है। तो चलिए जानते हैं पानी पीने के क्या हैं नियम

सुबह खाली पेट पानी पीने के फायदे

डिटॉक्स करता है शरीर को: रातभर शरीर की सफाई प्रक्रिया के बाद सुबह पानी पीना विषैले पदार्थ को बाहर निकालता है।

पाचन क्रिया मजबूत होती है: पेट में जमा अपशिष्ट बाहर निकलता है और कब्ज से राहत मिलती है।

मेटाबॉलिज्म तेज होता है: वजन घटाने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए यह आदत बेहद फायदेमंद है।

त्वचा चमकदार बनती है: शरीर में नमी बनी रहती है, जिससे स्किन में ग्लो आता है।

ब्रेन को एनर्जी मिलती है: शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा से दिमाग में ऑक्सीजन पहुंचती है, जिससे दिनभर की एकाग्रता और ऊर्जा बनी रहती है।

किडनी और मूत्रमार्ग साफ रहता है: सुबह पानी पीने से यूटीआई जैसी समस्याओं से भी बचाव होता है।

सुबह खाली पेट कितने गिलास पानी पीना चाहिए?

शुरुआत में 1 से 2 गिलास गुनगुना पानी पिएं (लगभग 300–400 एमएल)। आदत बनने के बाद आप धीरे–धीरे 3 से 4 गिलास (700–800 उस) तक ले जा सकते हैं। जापानी वॉटर थेरेपी के अनुसार, 4 गिलास (लगभग 640 उस) पानी सुबह पीने से कई रोगों से बचाव होता है।

पानी पीते समय न करें ये गलतियां

बहुत ठंडा पानी न पिएं, इससे पाचन धीमा हो सकता है और लीवर पर असर पड़ता है।

पानी झटपट नहीं धीरे–धीरे घूंट लेकर पिएं, तेजी से पीने से गैस, डकार और अपच हो सकता है।

खाना खाते ही पानी न पिएं, भोजन के तुरंत बाद पानी पीना पाचन रसों को पतला कर देता है।

प्लास्टिक की बोतल से बचें, तांबे (कॉपर), स्टील या कांच की बोतल से पानी पीना ज्यादा फायदेमंद होता है।

सुबह खाली पेट पानी पीने के बाद 30 मिनट तक कुछ न खाएं। इससे शरीर को अंदर से सफाई का समय मिलता है।

सड्डी का दावा! हफ्ते में कम से कम दो बार बनाएं पार्टनर से शारीरिक संबंध, हार्ट अटैक का खतरा होगा कम

हम सभी जानते हैं कि अच्छे रिश्ते में भावनात्मक जुड़ाव और शारीरिक नजदीकियां बहुत अहम होती हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि नियमित यौन संबंध न केवल आपके रिश्ते को मजबूत बनाते हैं, बल्कि आपके दिल और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद होते हैं?

हाल ही में प्रकाशित एक रिपोर्ट के मुताबिक, जो लोग अपने पार्टनर के साथ नियमित रूप से शारीरिक संबंध बनाते हैं, उनके हार्ट अटैक और हाई ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर समस्याओं का खतरा कम हो जाता है।

क्या कहती है रिसर्च?

अमेरिकन जर्नल ऑफ कार्डियोलॉजी में छपी एक स्टडी के अनुसार– जो पुरुष सप्ताह में दो बार यौन संबंध बनाते हैं, उनमें दिल की बीमारियों का खतरा 45: तक कम हो जाता है। महिलाओं के लिए भी यह फायदेमंद है कृ इससे हाई बीपी कम होता है और ब्लड वेसल्स (रक्त नलिकाएं) ज्यादा लचीली व स्वस्थ रहती हैं।

यौन संबंध और दिल का कनेक्शन

संबंध बनाने के दौरान दिल की धड़कन 120–130 बीट्स प्रति मिनट तक पहुंच सकती है। यह ब्रिस्क वॉक (तेज चलने) जितना असरदार होता है। इस समय शरीर में 3–4 एमईटीएस (मेटाबॉलिक इकाइयों) की ऊर्जा खर्च होती है, जो दिल के लिए अच्छा वर्कआउट साबित होती है। यौन क्रिया के दौरान शरीर में नाइट्रिक ऑक्साइड का स्तर बढ़ता है, जिससे रक्त संचार बेहतर होता है और धमनियों की लचीलापन बनी रहती है।

बीपी और तनाव पर असर

संबंध बनाने के बाद शरीर का सिस्टोलिक ब्लड प्रेशर (ऊपरी बीपी) 5 से 10 एमएमएचजी तक कम हो सकता है। इसका कारण है कि यौन क्रिया शरीर में नेचुरल रिलैक्सेशन रिस्पॉन्स को ट्रिगर करती है, जिससे तनाव और मांसपेशियों का खिंचाव कम होता है। कॉर्टिसोल हार्मोन (तनाव का हार्मोन) 10–15: तक घटता है और ऑक्सीटोसिन (प्यार का हार्मोन) बढ़ता है, जो मानसिक शांति देता है।

सिर्फ 5 रुपए की इस चीज से पसीने की बदबू होगी छूमंतर, स्किन भी करेगी शाइन

गर्मियों में पसीने की समस्या का लगभग सभी को सामना करना पड़ता है। किसी–किसी को इतना ज्यादा पसीना आता है कि पूरे समय कपड़े पसीने से भीगे रहते हैं। ऐसे में पसीने के कारण शरीर से बदबू आना लाजमी है। शरीर से पसीने की बदबू आने से असहज लगता है। हालांकि मार्केट में बहुत सारे अच्छे परफ्यूम आते हैं, जो लंबे समय तक चलते हैं। लेकिन इनसे शरीर की बदबू नहीं जाती है। हालांकि परफ्यूम के कारण कपड़ों से अच्छी महक जरूर आने लग जाती है। अगर आप चाहते हैं कि शरीर से पसीना कम आए और पसीने की बदबू भी कंट्रोल में रहे। तो इसके लिए आप नींबू का इस्तेमाल कर सकती हैं। नींबू एरोमैटिक होता है और इसकी महक काफी डॉमिनेटिंग होती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि नींबू का कैसे इस्तेमाल करना है। जिससे शरीर की गंध को कम किया जा सके।

नींबू का जेल

बता दें कि घर पर नींबू का जेल तैयार करना बहुत आसान है। नींबू का जेल तैयार करने के लिए आपको बस मुट्ठीभर नींबू के छिलकों की जरूरत होगी।

सामग्री

नींबू के छिलके– 20 से 25

गुलाब जल– 1 बड़ा चम्मच

विटामिन–ई कैप्सूल– 1

विधि

सबसे पहले एक बाउल में पानी लें और उसमें नींबू का छिलका डालें। इसको तब तक उबालें, जब तक नींबू के छिलके जेल जैसे न लगने लगें। अब इस मिश्रण में विटामिन ई कैप्सूल और गुलाबजल डालें। फिर इसको एक शीशी में भरें। वहीं जब आप नहाने जाएं, तो इससे पहले 1 घंटे पहले इस मिश्रण को शरीर के उन हिस्सों पर लगाएं, जहां पर सबसे ज्यादा पसीना आता है। फिर थोड़ी देर बाद पानी से नहा लें। अगर आप रोजाना ऐसा करती हैं, तो कुछ ही दिनों में आपको रिजल्ट्स देखने को मिलेंगे।

नहाने के पानी में डालें नींबू का रस

अगर आप चाहते हैं कि शरीर से पसीना कम आए और पसीने की बदबू भी कंट्रोल में रहे। तो इसके लिए आप नींबू का इस्तेमाल कर सकती हैं। नींबू एरोमैटिक होता है और इसकी महक काफी डॉमिनेटिंग होती है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं कि नींबू का कैसे इस्तेमाल करना है।

नींबू के रस को पानी में डालकर रोजाना नहाने से आपको शरीर से निकलने वाला एक्स्ट्रा ऑयल कंट्रोल होगा। साथ ही इससे शरीर से आने वाली बदबू भी दूर होगी। इससे आपकी स्किन में ग्लो आएगा और स्किन शाइन करेगी। इस बात का ध्यान रखें कि अगर आपकी बॉडी में किसी तरह का इंफेक्शन है, या फिर किसी तरह का शरीर का घाव है, तो आपको नींबू का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। क्योंकि इससे आपके शरीर में छरछराहट भी होती है।

संक्षिप्त

भारत का माल और सेवा निर्यात चालू वित्तीय वर्ष में 900 अरब डॉलर को पार कर सकता है, बोले वाणिज्य मंत्री

नई दिल्ली। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद 2025–26 के दौरान भारत का वस्तु एवं सेवा निर्यात 900 अरब डॉलर को पार कर जाने की उम्मीद है। रूस–यूक्रेन संघर्ष, इजराइल–हमास युद्ध और लाल सागर संकट के कारण अनिश्चितताओं के बावजूद, देश का समग्र निर्यात 2024–25 में 825 बिलियन अमरीकी डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर को छू गया। 2023–24 में यह 778 बिलियन अमरीकी डॉलर था। उन्होंने कल रात भारतीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल को संबोधित करते हुए कहा, हमने पिछले वर्ष 825 अरब डॉलर के निर्यात को पार कर लिया है और इस वैश्विक उथल–पुथल के बीच हम इस वर्ष निश्चित रूप से 900 अरब डॉलर के निर्यात को पार कर जाएंगे। मंत्री दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए अपने स्वीडिश समकक्ष और कंपनियों से मिलने के लिए आधिकारिक यात्रा पर यहां आए हैं। शीर्ष निर्यातकों के संगठन फियो ने अनुमान लगाया है कि देश का समग्र वस्तु एवं सेवा निर्यात 2025–26 के दौरान सालाना आधार पर 21 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। स्वीडन के स्टॉकहोम में बोलते हुए वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, भारत में जो अवसर, कौशल, क्षमता, मांग और निर्णायक नेतृत्व है– यह सब देखकर स्वीडिश कंपनियों को भी लगता है कि भविष्य भारत में है। 2047 तक आठ गुना बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था से हर कोई लाभ उठाना चाहता है।

रुपया शुरुआती कारोबार में सात पैसे चढ़कर 85.46 प्रति डॉलर पर

अमेरिकी मुद्रा के कमजोर रुख, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में नरमी और घरेलू शेयर बाजारों की सकारात्मक शुरुआत से रुपया बृहस्पतिवार को शुरुआती कारोबार में सात पैसे चढ़कर 85.46 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने हालांकि कहा कि विदेशी पूंजी की निकासी ने

स्थानीय मुद्रा की बढ़त को सीमित किया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.43 पर खुला। फिर 85.46 प्रति डॉलर पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.53 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.02 पर रहा। घरेलू शेयर बाजार में बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 108.02 अंक की बढ़त के साथ 82,623.16 अंक पर जबकि निफ्टी 38.7 अंक चढ़कर 25,180.10 अंक पर रहा। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.09 प्रतिशत की गिरावट के साथ 66.81 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को बिकवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 446.31 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

देश में निजी खपत में गिरावट आई; सरकार ने राजकोषीय घाटे का लक्ष्य किया हासिल, बीओबी की रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। वित्त वर्ष 2024–25 की चौथी तिमाही में भारत की निजी खपत में गिरावट दर्ज की गई। हालांकि, सरकार ने वित्त वर्ष 2024–25 के लिए जीडीपी के 4.8 प्रतिशत राजकोषीय घाटा का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। अब वित्त वर्ष 2026 में इस अनुपात को कम करके 4.4 प्रतिशत पर लाने का लक्ष्य रखा गया है। बैंक ऑफ बड़ौदा ने अपनी हालिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी है।

सरकारी उपभोग खर्च में आई सिकुड़न

रिपोर्ट के अनुसार वास्तविक निजी उपभोग व्यय में वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में 5.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई। यह वित्त वर्ष 2024 में दर्ज 6.2 प्रतिशत की वृद्धि से मामूली गिरवाट को दर्शाता है। इसके अलावा सरकारी उपभोग खर्च में भी सिकुड़न देखने को मिली। वित्त वर्ष 24 में यह 6.6 प्रतिशत थी, जो वित्त वर्ष 25 में घटकर 1.8 प्रतिशत रह गई।

उपभोग मांग में दिखी मिली जुली तस्वीर

रिपोर्ट में बताया गया कि मई 2025 तक देश में उपभोग मांग में मिली–जुली तस्वीर देखने को मिली। इसमें कहा गया कि गैर तेल गैर सोना और इलेक्ट्रॉनिक आयात में सुधार हुआ। वहीं ऑटो बिक्री, इस्पात खपत और बिजली की मांग जैसे प्रमुख क्षेत्रों में धीमी गति देखी गई। कृषि क्षेत्र की बात करें तो सरकार ने खरीफ फसलों के लिए उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) की घोषणा की है।

प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर संग्रह में आई गिरावट

वित्त वर्ष 2025 में कुल सरकारी खर्च संशोधित अनुमान (आरई) से कम रहा। कुल राजस्व व्यय 36 लाख करोड़ रुपये रहा, जो संशोधित अनुमान 37 लाख करोड़ रुपये से थोड़ा कम है। प्रत्यक्ष कर संग्रह में 12.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल 34.1 प्रतिशत की वृद्धि थी। वहीं, अप्रत्यक्ष कर वृद्धि पिछले साल के 6.3 प्रतिशत की तुलना में 4.3 प्रतिशत रही। वित्त वर्ष 2025–26 की शुरुआत में कर राजस्व संग्रह में अपेक्षित वृद्धि नहीं हुई है।

एशिया कप 2025 से पहले पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बड़ी त्रिकोणीय सीरीज की बनाई योजना, इन तीनों देशों के बीच खेली जाएगी

भारत और पाकिस्तान के बीच लगातार खींचतान के बाद दोनों पड़ोसी देशों के बीच क्रिकेट संबंध अब तक के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। भारत में पाकिस्तान से जुड़ी हर चीज का बहिष्कार करने के लिए कई कदम उठाए गए और क्रिकेट में दोनों देशों के बीच होने वाले मैचों को पूरी तरह से बंद करने की मांग भी की जा रही है। इसी के साथ सितंबर में होने वाले एशिया कप पर भी सवालिया निशान लग गया है। एशिया क्रिकेट परिषद (ACC) ने अभी तक टूर्नामेंट पर कोई फैसला नहीं लिया है जिसकी मेजबानी इस बार भारत के पास है। वहीं इन सब के बावजूद भारत ने एशिया कप 2025 से खुद को बाहर नहीं निकाला है। हालांकि, पहले ऐसी खबरें आ रही थीं कि पाकिस्तान के साथ सभी संबंध खत्म करने के संकेत के तौर पर भारत एशिया कप से बाहर निकल जाएगा। लेकिन बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने इस बात को खारिज कर दिया और अभी तक इस पर कोई फैसाला नहीं लिया गया है। फिलहाल, एशिया कप 2025 अभी भी अधर में लटका हुआ है। लेकिन पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इसकी तैयारी में कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। क्रिकेट पाकिस्तान के अनुसार, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच त्रिकोणीय टी20 सीरीज की योजना बनाई जा रही है। इस सीरीज को हकीकत बनाने के लिए इन देशों के क्रिकेट बोर्ड के बीच बातचीत चल रही है। बता दें कि, अफगानिस्तान अगस्त में तीन मैचों की टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान का दौरा करने वाला है। अब इस सीजी में यूएई को भी शामिल करने की योजना बनाई जा रही है। जिससे ये सीरीज त्रिकोणीय सीरीज बन जाएगी। साथ ही ये भी बताते चलें कि, यूएई 2024 एसीसी मेन्स प्रीमियर कप के लिए क्वालीफाई करने वाली आठ टीमों में से एक है। वहीं पाकिस्तान के भारत आने से इनकार करने के बाद इस सीरीज को पूरी तरह से यूएई में भी आयोजित किया जा सकता है। अगर इसे यूएई में आयोजित किया जाता है तो त्रिकोणीय सीरीज भी वहां खेली जा सकती है। इसलिए त्रिकोणीय सीरीज पाकिस्तान के लिए एक तरह से बूस्टर का काम करेगी जिसे ने 2012 के बाद से एशिया कप नहीं जीता है।

भारत अच्छी तैयारी के साथ आया होगा, लेकिन हम जानते हैं कि हमें कहां पहुंचना है : मैकुलम

इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि भारत पांच टेस्ट मैच की सीरीज के लिए अच्छी तैयारी और आत्मविश्वास के साथ यहां आया होगा लेकिन इसके साथ ही उन्होंने कहा कि उनके खिलाड़ी इस बात को अच्छी तरह से समझते हैं कि 'एक टेस्ट टीम के रूप में हम कहां पहुंचना चाहते हैं।' भारत अपने नए विश्व टेस्ट चौम्पियनशिप चक्र की शुरुआत 20 जून से लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के साथ करेगा। मैकुलम ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट से कहा, ''वह शानदार क्रिकेट खेलने वाला देश है, जो बड़ी उम्मीदों के साथ यहां आया होगा और हम उनकी चुनौती के लिए तैयार हैं।'' इंग्लैंड ने हाल ही में छह मैचों की सफ़ेद गेंद की श्रृंखला में वेस्टइंडीज़ का सफ़ाया किया। अब उनका ध्यान लाल गेंद के प्रारूप पर है क्योंकि वे भारत और इस साल के अंत में होने वाली एशेज की तैयारी कर रहे हैं। मैकुलम ने आगे कहा, ''यह महत्वपूर्ण है कि खिलाड़ी तरोताजा रहें। हम जानते हैं कि टेस्ट टीम के रूप में हमें कहां पहुंचना है।'' इंग्लैंड की टीम में तेज गेंदबाज मार्क वुड नहीं होंगे, जो चोट के कारण कम से कम पहले तीन टेस्ट से बाहर हो गए हैं। उनके साथी तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर भी शुरुआती टेस्ट से बाहर रहेंगे, जबकि गस एटकिंसन अब भी हैमस्ट्रिंग में खिंचाव से उबर रहे हैं। मैकुलम को हालांकि इंग्लैंड के गेंदबाजी विकल्पों पर पूरा भरोसा है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा, ''हमारे कुछ अच्छे तेज गेंदबाज खेलने के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे लेकिन हमारे पास क्रिस वोक्स, सैम कुक, ब्रायडन कार्स, जेमी ओवरटन, जोश टंग के रूप में तेज गेंदबाजी विभाग में अच्छा और विविधतापूर्ण आक्रमण है।'' उन्होंने कहा, ''स्पिन विभाग मेंहमारे पास शोएब बशीर हैं, जो टेस्ट क्रिकेट में लगातार अपने खेल में सुधार कर रहे हैं। हम जानते हैं कि भारत के खिलाफ हमारी परीक्षा होगी और वे पूरी तैयारी के साथ उतरेंगे।'' भारत अनुभवी विराट कोहली, रोहित शर्मा और आर अश्विन के बिना एक नए युग की शुरुआत करेगा। यह तीनों खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं। भारतीय टीम की अगुआई शुभमन गिल करेंगे और इसमें साई सुदर्शन और यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ी शामिल हैं। इंग्लैंड ने ऑलराउंडर जैकब बेथेल को फिर से टीम में शामिल किया है और मैकुलम ने इस 21 वर्षीय खिलाड़ी की जमकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, ''बेथेल के सामने अभी लंबा करियर है। वह अभी केवल 21 साल का है और उसके पास अपनी प्रतिभा को दिखाने का मौका है। वह ड्रेसिंग रूम में पहले ही अपनी पैठ बना चुका है।'' मैकुलम ने जेमी स्मिथ और बेन डकेट का भी विशेष उल्लेख किया। उन्होंने कहा, ''जेमी स्मिथ और बेन डकेट ने मुझे टेस्ट मैच में डकेट और जैक क्रॉली की जोड़ी की याद दिला दी है। हम जानते हैं कि डकेट कितने अच्छे बल्लेबाज हैं, लेकिन स्मिथ के पास जो ताकत है वह अद्भुत है।

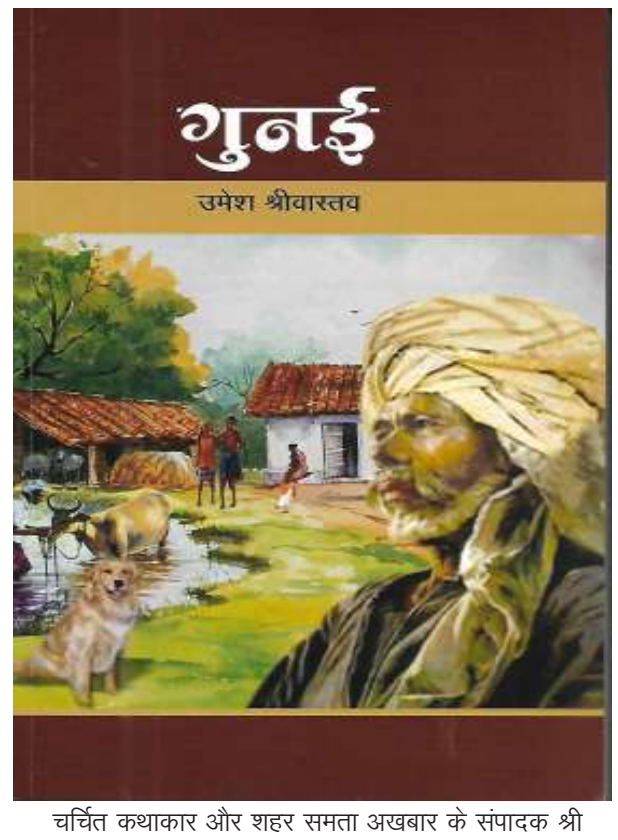

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

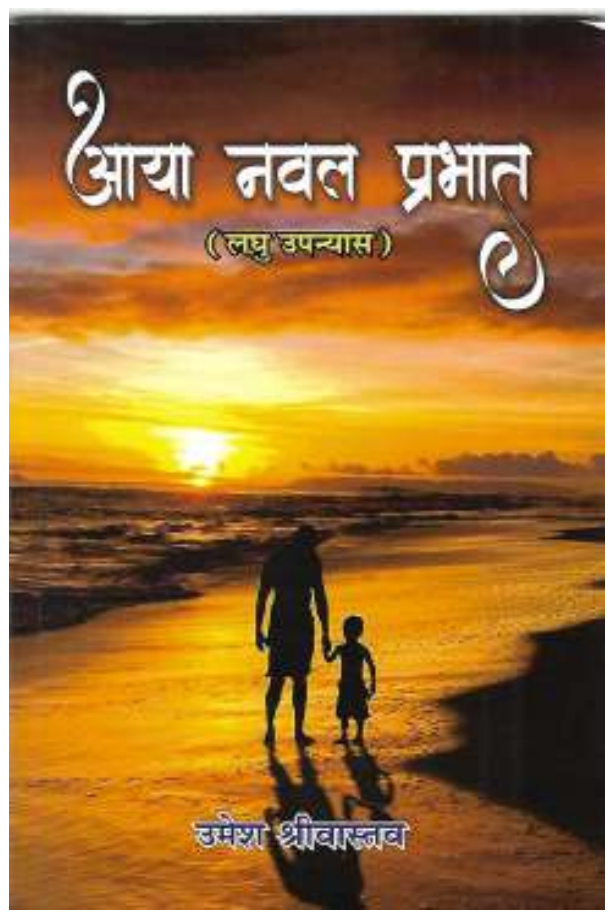

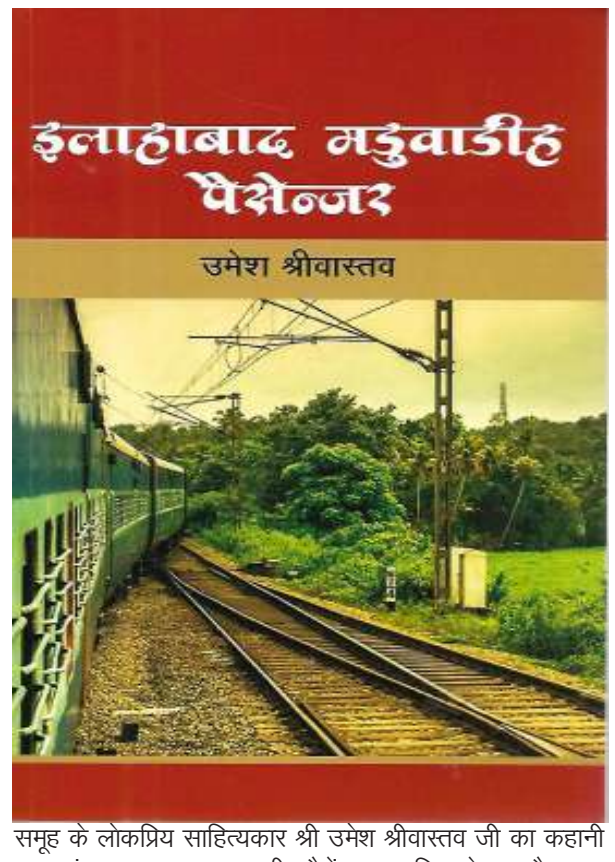

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

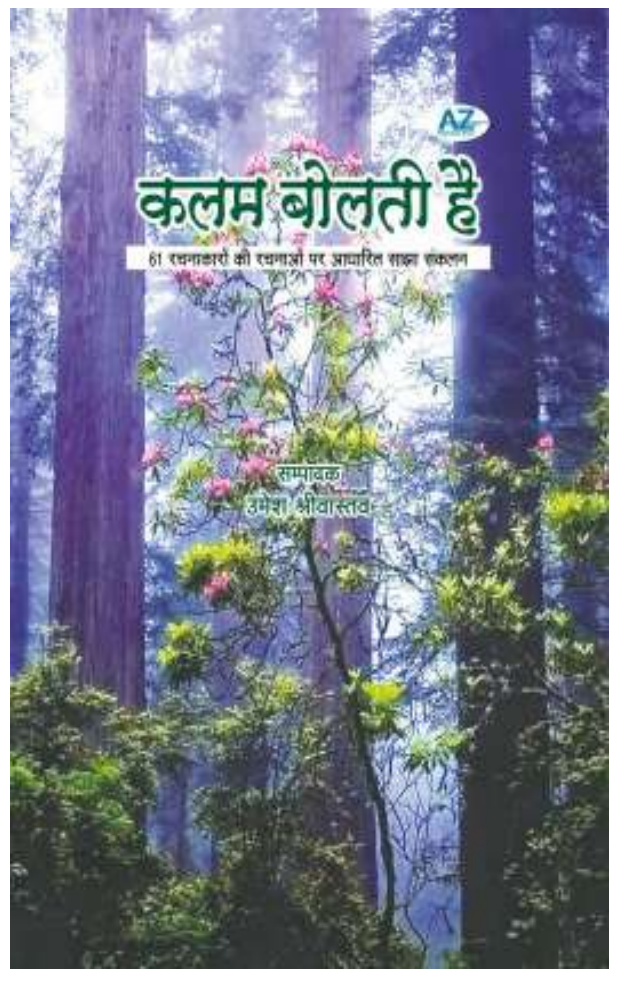

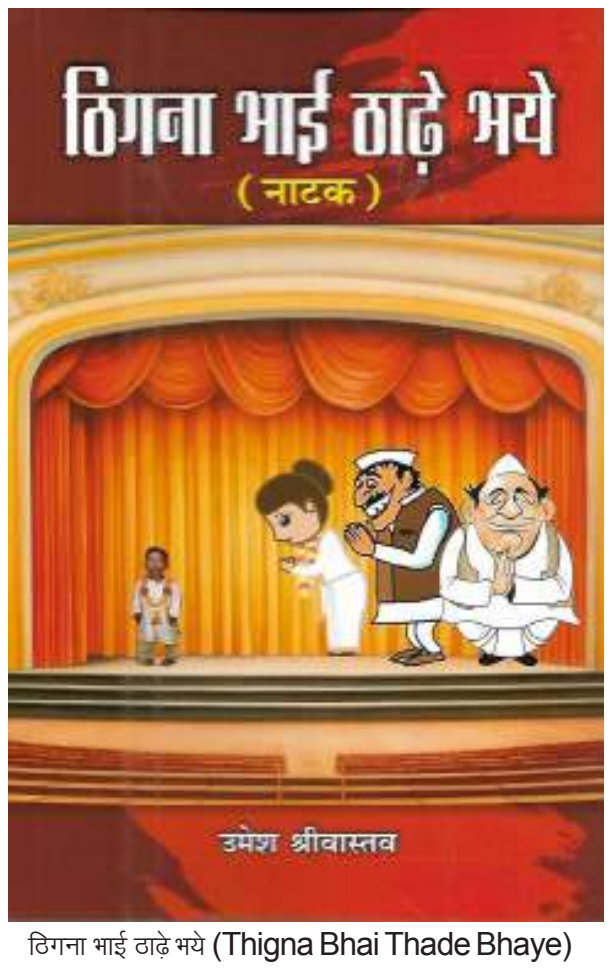

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

अशांति के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने सीरिया और इराक की तुलना में लॉस एंजिल्स में अधिक सैनिक तैनात किए

लॉस एंजिलिस क्षेत्र के कई मेयर ने बुधवार को एक साथ आकर ट्रंप प्रशासन से आप्रवासियों के खिलाफ तेज की जा रही छापेमारी को रोकने की मांग की। उन्होंने कहा कि इस कार्रवाई के कारण उनके शहरों में भय फैल गया है और पूरे देश में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। हालांकि, इस बात का कोई संकेत नहीं मिला है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप उनकी मांग को कोई तवज्जो देंगे। लॉस एंजिलिस क्षेत्र के मेयर और शहरी परिषद के सदस्यों ने ट्रंप प्रशासन से छापेमारी के दौरान आव्रजन एजेंटों के साथ सशस्त्र सैनिकों की तैनाती को रोकने की भी मांग की है। अशांति के बीच, ट्रम्प ने सीरिया, इराक में संयुक्त रूप से तैनात सैनिकों की तुलना में लॉस एंजिल्स में अधिक सैनिक तैनात किए हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने विरोध प्रदर्शनों को संभालने के लिए इराक और सीरिया में वर्तमान में तैनात सैनिकों की संख्या से अधिक सैन्य कर्मियों को लॉस एंजिल्स भेजा है। अमेरिकी सेना के मेजर जनरल स्कॉट शेरमैन के अनुसार, शहर में 4,000 से अधिक नेशनल गार्ड सदस्य और 700 मरीन तैनात किए गए हैं, जिससे कुल संख्या लगभग 4,700 हो गई है। इसकी तुलना में, सार्वजनिक रूप से रिपोर्ट किए गए पेंटागन के आंकड़ों के अनुसार, सीरिया में लगभग 2,000 अमेरिकी सैनिक और इराक में 2,500 सैनिक हैं। ट्रम्प के आक्रामक आव्रजन छापों के बाद हिंसक विरोध प्रदर्शनों के जवाब में यह तैनाती की गई। सैनिकों की संख्या की यह तुलना सबसे पहले एबीसी न्यूज द्वारा रिपोर्ट की गई थी। पेंटागन ने कहा कि लॉस एंजिल्स में नेशनल गार्ड सैनिकों और अमेरिकी मरीन को तैनात करने में 60 दिनों में अनुमानित +134 मिलियन खर्च होंगे। इसके अलावा, रिपोर्ट के

अनुसार, होमलैंड सुरक्षा विभाग ने ट्रम्प के आव्रजन दमन का समर्थन करने के लिए 20,000 से अधिक अतिरिक्त नेशनल गार्ड सैनिकों को तैनात करने का प्रस्ताव दिया है। इस पर एक वर्ष के दौरान अनुमानित 3.6 बिलियन डॉलर खर्च होंगे।

छठे दिन विरोध प्रदर्शन के दौरान सैनिक व्यक्तियों को हिरासत में ले सकते हैं

न्यूज एजेंसी रॉयटर्स के अनुसार, लॉस एंजिल्स में तैनात अमेरिकी सैनिकों को स्थानीय पुलिस द्वारा औपचारिक रूप से गिरफ्तार किए जाने तक लोगों को गिरफ्तार करने की अनुमति दी गई है। यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब सैकड़ों मरीन शहर में प्रवेश करने की तैयारी कर रहे हैं, जहाँ अब लगातार छह दिनों से विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। शुरू में कैलिफ़ोर्निया में केंद्रित विरोध प्रदर्शन, जल्दी ही पूरे संयुक्त राज्य अमेरिका में फैल गए हैं। प्रदर्शनकारी अत्यधिक आक्रामक आव्रजन प्रवर्तन के खिलाफ़ रैली कर रहे हैं।

सैन्य उपस्थिति ने राजनीतिक तनाव को बढ़ाया

कैलिफ़ोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूज़ॉम ने राष्ट्रपति ट्रम्प के लॉस एंजिल्स में सैनिकों को भेजने के फ़ैसले की आलोचना की। उनकी आपत्तियों के बावजूद, ट्रम्प प्रशासन आगे बढ़ गया। जवाब में, कैलिफोर्निया राज्य ने सैनिकों की तैनाती को लेकर संघीय सरकार के खिलाफ मुकदमा दायर किया। न्यूसम के प्रवक्ता ने कहा, ''यह कार्रवाई संघीय शक्ति का दुरुपयोग और एक खतरनाक मिसाल है।'' पेंटागन के अनुसार, सरकारी इमारतों और कर्मियों की सुरक्षा के अलावा, यह छापे के दौरान आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन अधिकारियों की सुरक्षा करेगा। ICE ने मंगलवार को ऑनलाइन तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें लॉस एंजिल्स में एक कार के किनारे ICE अधिकारियों द्वारा स्पष्ट प्रवासियों को हथकड़ी लगाए जाने के दौरान नेशनल गार्ड के सैनिक हथियार लेकर खड़े थे। 1878 का एक कानून, पॉसे कॉमिटेटस एक्ट, आम तौर पर नेशनल गार्ड सहित अमेरिकी सेना को नागरिक कानून प्रवर्तन में भाग लेने से रोकता है।

सैनिकों की आवश्यकता पर संघर्ष

राष्ट्रपति ट्रम्प ने सैनिकों की उपस्थिति का बचाव किया है। उन्होंने कहा कि इसने लॉस एंजिल्स में स्थिति को पूर्ण पैमाने पर हिंसा में बढ़ने से रोका है। सेना के बिना, चीजें बहुत खराब होतीं, उन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा। लेकिन गवर्नर न्यूज़ॉम और लॉस एंजिल्स के अधिकारियों सहित स्थानीय नेताओं ने इसका विरोध किया है। न्यूज़ॉम ने टेलीविज़न पर दिए गए एक संबोधन में कहा, हमारे समुदायों में इस स्तर के सैन्य बल की कोई ज़रूरत नहीं है। यह लोगों को नियंत्रित करने के बारे में है, उनकी रक्षा करने के बारे में नहीं।

संक्षिप्त

अमेरिका के ओरेगन में जंगल में आग के कारण सैकड़ों घर खाली करने के आदेश

अमेरिका के ओरेगन में बुधवार को वन अग्नि के कारण सैकड़ों घरों को खाली करने के आदेश दिए गए और कोलंबिया रिवर गॉर्ज में हर तरफ धुआं होने से दृश्यता घटने के चलते एक अंतरराज्यीय मार्ग के 32 किलोमीटर हिस्से को बंद करना पड़ा। ओरेगन परिवहन विभाग ने बताया कि 'हुड रिवर' और

'द डेल्स' के बीच 'इंटरस्टेट–84' को बंद कर दिया गया है। पोर्टलैंड से लगभग 89 किलोमीटर पूर्व में एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल 'हुड रिवर' में लगभग 8,000 लोगों की आबादी है और द डेल्स में 15,000 से अधिक लोग रहते हैं।विभाग के प्रवक्ता डेविड हाउस ने एक ईमेल में बताया कि अंतरराज्यीय मार्ग अनिश्चित काल के लिए बंद रहेगा। वास्को काउंटी शेरिफ कार्यालय के अनुसार डेल्स के उत्तर–पश्चिम में आई–84 और अंतर्देशीय क्षेत्र के एक इलाके के 700 से अधिक घरों को खाली करने के आदेश दिए गए है और 1,352 से अधिक घरों को खाली करने के लिए तैयार रहने को कहा गया है।

लेबनान के पूर्व वित्त मंत्री भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार

लेबनान के एक पूर्व कैबिनेट मंत्री को कथित वित्तीय अपराधों की जांच के बाद गिरफ्तार कर लिया गया। न्यायिक और सुरक्षा अधिकारियों ने 'एसोसिएटेड प्रेस' को यह जानकारी दी। तीन न्यायिक अधिकारियों और एक सुरक्षा अधिकारी ने नाम न उजागर करने की शर्त पर बताया कि मंत्रालय के धन के अवैध इस्तेमाल और संदिग्ध अनुबंधों के संबंध में पूर्व वित्त मंत्री अमीन सलाम से तीन घंटे पूछताछ की गई जिसके बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। लेबनान अपनी

अर्थव्यवस्था को सुधारने की कोशिश कर रहा है जो कई वर्षों से मुनाफाखोरी से जूझ रही है। सलाम पर जालसाजी, गबन और सार्वजनिक धन के दुरुपयोग का आरोप लगाया गया है। स्थानीय मीडिया ने खबरों में बताया कि यह मामला निजी बीमा कंपनियों से कथित जबरन वसूली और उन कंपनियों की निगरानी करने वाली समिति के धन का खुद के लिए इस्तेमाल करने से संबंधित है। सलाम ने सीधे तौर पर कोई टिप्पणी नहीं की। हालांकि, सोमवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया जिसमें उन्होंने इन खबरों का खंडन किया और कहा कि धन राशि का इस्तेमाल उन्होंने समिति की दक्षता और पारदर्शिता बढ़ाने के लिए किया था। सलाम तीन साल से ज्यादा समय तक वित्त मंत्री रहे। उन्हें 2021 में ऐसे समय में नियुक्त किया गया था जब लेबनान की अर्थव्यवस्था चरमरा गई थी।

अमेरिकी सेना ने पश्चिम एशिया में सैनिकों के आश्रितों को स्वैच्छिक प्रस्थान की अनुमति दी : अधिकारी

ईरान के साथ तनाव बढ़ने के कारण अमेरिकी सेना ने पश्चिम एशिया में कई स्थानों पर अपने सैनिकों के आश्रितों को ''स्वैच्छिक प्रस्थान'' की अनुमति दे दी है। अमेरिका के दो

अधिकारियों ने अपनी पहचान गोपनीय रखे जाने की शर्त पर बुधवार को यह जानकारी दी। अमेरिका के एक रक्षा अधिकारी ने बताया कि यह आदेश रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने दिया है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना विदेश मंत्रालय और क्षेत्र में अपने सहयोगियों के साथ मिलकर काम कर रही है, ताकि ''लगातार तत्परता बनाए रखी जा सके।

नेपाल में मादक पदार्थ रखने के आरोप में चार भारतीय गिरफ्तार

नेपाल में चार भारतीय नागरिकों को मादक पदार्थ रखने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। नेपाल पुलिस ने मंगलवार को काठमांडू के बाहरी इलाके में ग्रांडी अस्पताल के पास सुंधरा और तोखा से दो–दो भारतीय नागरिकों को 200 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, तोखा से गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान पश्चिम बंगाल के 40 वर्षीय शशिक आलम और बिहार के 22 वर्षीय मोहम्मद आलम के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि दोनों आरोपियों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए पुलिस पर हमला कर दिया और जवाबी कार्रवाई में वे घायल हो गए। दोनों को काठमांडू के नेशनल ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, बिहार के 20 वर्षीय सुमित कुमार और 25 वर्षीय चंदन जायसवाल को सुंधरा से गिरफ्तार किया गया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

भारत के साथ अच्छे संबंध चाहता था बांग्लादेश, लेकिन हमेशा..., लंदन में बोले यूनुस

लंदन। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने बुधवार को लंदन में चौथम हाउस थिंक टैंक के निदेशक ब्रोन मैडॉक्स के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने कहा कि उनकी अंतरिम सरकार भारत के साथ अच्छे संबंध चाहती थी, लेकिन हमेशा कुछ गलत हो जाता था। यूनुस ने मैडॉक्स के साथ भारत के साथ द्विपक्षीय संबंधों और देश के लिए लोकतांत्रिक रोडमैप सहित कई मुद्दों पर बात की, जिसकी शुरुआत अगले महीने श्जुलाई चार्टरश से होगी। इस दौरान मैडोक्स ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करते हुए भारत को जारी किए गए एक अनौपचारिक राजनयिक नोट का हवाला दिया और मामले पर अपडेट मांगा।

हम चाहते हैं सबकुछ कानूनी और ठीक तरीके से हो

इस पर यूनुस ने जवाब दिया कि यह प्रक्रिया जारी रहेगी। हम चाहते हैं कि सब कुछ कानूनी और ठीक तरीके से हो। हम

भारत के साथ सबसे अच्छे संबंध बनाना चाहते हैं, क्योंकि भारत हमारा पड़ोसी है। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि उनके साथ किसी भी तरह की बुनियादी समस्या हो। उन्होंने कहा, श्भारतीय मीडिया से आने वाली सभी फर्जी खबरों के कारण हर बार चीजें गलत हो जाती हैं। और कई लोग कहते हैं कि इसका संबंध शीर्ष पर बैठे नीति निर्माताओं से है।

फर्जी खबरों की वजह से बांग्लादेश में नाराजगी और बेचौनी

मोहम्मद यूनुस ने आगे कहा कि फर्जी खबरों की वजह से बांग्लादेश में नाराजगी और बेचौनी रहती है। हम कोशिश करते हैं कि गुस्से को काबू में रखें, लेकिन साइबरस्पेस में कई बातें होती रहती हैं, जिससे लोग फिर से गुस्सा हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि यह सुनिश्चित करना कि हम एक शांतिपूर्ण जीवन जी सकें, यह बड़ा काम है।

हसीना पर पूछे गए सवाल पर बोले यूनुस

अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना पर भारत की अस्पष्ट भूमिका के बारे में दर्शकों के सवाल पर यूनुस ने जवाब दिया कि हसीना के खिलाफ सारा गुस्सा अब भारत में चला गया है, क्योंकि वह वहां गई हैं। यूनुस ने कहा कि जब उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात करने का मौका मिला, तो उन्होंने कहा, श्अगर आप हसीना को अपने देश में रख रहे हैं, तो मैं आपको रोक नहीं सकता। लेकिन कृपया इतना जरूर करें कि वह बांग्लादेश के लोगों से सोशल मीडिया पर गलत तरीके से बात न करें। यूनुस ने दावा किया कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे कहा कि हसीना की सोशल मीडिया गतिविधियों को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। यूनुस ने कहा कि यह एक संवेदनशील मामला है। आप यह कहकर नहीं बच सकते कि यह सोशल मीडिया की वजह से है।

ब्रिटेन में विरोध प्रदर्शन के साथ स्वागत

यूनुस मंगलवार को ब्रिटेन की चार दिवसीय यात्रा पर पहुंचे, जहां उनका ब्रिटेन में हसीना की अवामी लीग पार्टी के सदस्यों द्वारा विरोध प्रदर्शन के साथ स्वागत किया गया। यात्रा के दौरान उनके किंग चार्ल्स तृतीय और ब्रिटिश सरकार के वरिष्ठ सदस्यों से मिलने की उम्मीद है।

बांग्लादेश में ये कैसा उत्पात! रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक आवास पर भीड़ का हमला

बांग्लादेश के सिराजगंज जिले में नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर के पैतृक घर, जिसे रवींद्र कचारीबाड़ी के नाम से जाना जाता है, पर मंगलवार को भीड़ ने हमला किया और तोड़फोड़ की। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार (8 जून) को

मोटरसाइकिल पार्किंग शुल्क को लेकर एक आगंतुक और कर्मचारियों के बीच हुए विवाद के बाद यह हमला हुआ, जिसमें सभागार और विरासत स्थल के अन्य हिस्सों को निशाना बनाया गया, खिड़कियों के शीशे, दरवाजे और फर्नीचर को नुकसान पहुंचाया गया। हवेली पर भीड़ के हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए, भाजपा ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि यह कट्टरपंथी समूहों, बांग्लादेश जमात–ए–इस्लामी और हिफाजत–ए–इस्लाम बांग्लादेश द्वारा पूर्व नियोजित हमला था। भाजपा विधायक और पश्चिम बंगाल के विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि यह घटना ष्हमारी साझा विरासत, हमारी पहचान और हमारे मूल्यों पर हमला है। हमले के बाद, बांग्लादेश में अधिकारियों ने साइट को बंद कर दिया और घटना की जांच के लिए एक जांच पैनल का गठन किया। ढाका स्थित डेली स्टार की रिपोर्ट के अनुसार, बुधवार (11 जून) को 50–60 व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, जिसमें 10 नामजद आरोपी भी शामिल हैं। रवींद्र कचारीबाड़ी, जिसका शाब्दिक अर्थ है टैगोर का एस्टेट ऑफिस घरष्, वह जगह थी जहाँ रवींद्रनाथ टैगोर का परिवार सिराजगंज के शहजादपुर उपजिला में अपनी संपत्ति की देखरेख करता था। अब यह हवेली एक स्मारक संग्रहालय के रूप में काम करती है। रवींद्रनाथ टैगोर के पिता द्वारा खरीदी गई इस हवेली का कवि ने कई बार दौरा किया था, जिसके दौरान वे यहाँ रहे और अपने कई नाटकों के कुछ हिस्से लिखे।

पाकिस्तान ने अफगानों को अचानक देश छोड़ने का आदेश दिया, 45 मिनट में समेटना पड़ा सामान

तोरखम। पाकिस्तान में रह रहे अफगानों को अचानक एक आदेश मिला। आदेश बहुत साफ और स्पष्ट था– आपको अपना सामान पैक करने और पाकिस्तान हमेशा के लिए छोड़ने के लिए सिर्फ 45 मिनट मिलेंगे। इस आदेश के बाद पाकिस्तान में रह रहे अफगानों जैसे दुनिया ही पलट गई। पाकिस्तान में रहने वाले 42 वर्षीय शेर खान ने बताया कि वह वहां एक ईंट भट्ठे पर काम करता था। जब वह काम से घर लौटा, तो दरवाजे पर सादे कपड़ों में पुलिस कर्मी खड़े थे। उन्हें देखकर वह सोच में पड़ गया। उसे बताया गया कि 45 मिनट में पाकिस्तान छोड़ने का आदेश है। यह सुनते ही उसकी दुनिया पलट गई। उसने और उसकी पत्नी ने अपने नौ बच्चों के लिए रसोई का कुछ सामान और कपड़े समेट लिए, बाकी सबकुछ पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में अपने घर पर छोड़ दिया। खान का जन्म पाकिस्तान में हुआ था। वह उन लाखों अफगानों में से एक हैं, जिन्हें अब निष्कासित कर दिया गया है। पाकिस्तान सरकार का कहना है कि देश में अवैध रूप से रह रहे विदेशियों पर कार्रवाई के लिए अक्तूबर 2023 में अभियान शुरू किया गया था। इस अभियान के तहत अब तक लगभग 10 लाख अफगान नागरिक पाकिस्तान छोड़ चुके हैं। पाकिस्तान का कहना है कि अब भी लाखों लोग वहां रह रहे हैं। वह चाहता है कि वे सभी लोग चले जाएं। शेर खान अब अफगान सीमा के पार तोरखम में बने एक शरणार्थी शिविर में हैं। उन्होंने बताया कि हम अपना सारा सामान पीछे छोड़ आए। सालों से जो कुछ भी इज्जत के साथ कमाया था, वो सब वहीं रह गया। उन्होंने बताया कि हम सिर्फ कपड़े और कुछ जरूरी चीजें लेकर निकले। उन्हें डर था कि अगर वह देर करते हैं तो उनकी पत्नी और बच्चों को पुलिस पकड़ लेगी। उन्होंने कहा, हमें खुशी है कि हम सम्मान के साथ अफगानिस्तान वापस आए। जो सामान पीछे रह गया, उसकी देखभाल भी ऊपर वाला करेगा।

इजरायल कहीं स्ट्राइक न कर दे, क्यों अलर्ट मोड पर आया अमेरिका?

ईरान पर संभावित इजरायली हमले की बढ़ती आशंकाओं के बीच संयुक्त राज्य अमेरिका कथित तौर पर हाई अलर्ट पर है। वाशिंगटन पोस्ट की एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रम्प प्रशासन को डर है कि अगर वाशिंगटन और तेहरान के बीच ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर चल रही बातचीत विफल हो जाती है, तो यहूदी राज्य संयुक्त राज्य अमेरिका की सहमति के बिना ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हमला करने का विकल्प चुन सकता है। इन

चिंताओं के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह मध्य पूर्व, खासकर ईरान से अमेरिकी कर्मियों को बाहर निकालेंगे, क्योंकि यह एक खतरनाक जगह हो सकती है।ष पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी विदेश विभाग ने भी कुछ कर्मचारियों को इराक छोड़ने की अनुमति दी है, जबकि पेंटागन सैन्य परिवारों को स्वेच्छा से पूरे क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों को छोड़ने के लिए अधिकृत कर रहा है। ताजा डेवलपमेंट ऐसे समय में की गई है जब ट्रंप की तेहरान के साथ एक समझौते को अंतिम रूप देने की उम्मीदें कम हो रही हैं, जो ईरान के परमाणु कार्यक्रम को प्रतिबंधित करेगा, जिससे इजरायल–हमास युद्ध के बाद मध्य पूर्व में एक और संभावित विनाशकारी सैन्य संघर्ष को रोका जा सकेगा। ट्रंप ने बुधवार को कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं देगा। उन्होंने कहा कि उनके पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। बहुत आसान है, उनके पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। पिछले महीने, एक्सियोस ने रिपोर्ट किया था कि अगर अमेरिका और इस्लामिक रिपब्लिक के बीच चल रही बातचीत विफल हो जाती है तो इजराइल ईरान पर तुरंत हमला करने के लिए तैयार हो रहा है। बीबी परमाणु वार्ता के विफल होने का इंतजार कर रहा है और फिलहाल ट्रम्प वार्ता को लेकर निराश होंगे और उन्हें आगे बढ़ने के लिए तैयार रहेंगे।

अदालत ने हार्वे वीनस्टीन को 'मी टू' यौन अपराध मामले के मुख्य आरोप में दोषी ठहराया

अमेरिका के पूर्व फिल्म निर्माता हार्वे वीनस्टीन को यौन अपराधों से जुड़े मामले की पुनः सुनवाई के दौरान एक प्रमुख आरोप में दोषी ठहराया गया, लेकिन एक अन्य मामले में उन्हें बरी कर दिया गया और जूरी के सदस्य अभी तीसरे आरोप पर निर्णय पर नहीं पहुंच पाए हैं। 'मी टू' आंदोलन के दौरान लगे आरोपों के मामले में वीनस्टीन को पांच साल पहले पहली बार दोषी ठहराया गया था, लेकिन पिछले वर्ष दोषसिद्धि संबंधी फैसले को पलट दिया गया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।